आप बस चाहते हैं कि लोग आपको देखना पसंद करें... पेज-7

जय हिन्द जनाब

तापमान 42 °C | °F 26 °C | °F

हर नज़र पर ख़बर — हर ख़बर पर नज़र

आर्द्रता 10 % वात 16 KM/H

लॉकडाउन हुआ, कोरोना भी भागा अब दो वक्त :... पेज-8

वर्ष : 17, अंक : 103, पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रुपए | UPHIN/2005/14445 | www.jaihindjanab.com | नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) शनिवार, 29 मई, 2021

सीएम योगी की टीम-9 के साथ बैठक, लॉकडाउन हटाने की तैयारी

यूपी में अनलॉक !

प्रदेश में लगातार घट रहे कोरोना के केस, सख्ती के साथ खुल सकते हैं बाजार

जय हिन्द संवाद

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के कम होते मामलों को देख उत्तर प्रदेश सरकार वीकेंड कोरोना कर्फ्यू में ढील देने की तैयारी कर रही है। राज्य में अब चरणबद्ध तरीके से कर्फ्यू को फिर से खोला जा सकता है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 31 मई के बाद चरणबद्ध तरीके से पाबंदियों में थोड़ी छूट दी जा सकती है, जबकि रात्रि और साप्ताहिक कर्फ्यू बरकरार रह सकता है। उम्मीद है कि 1 जून से सरकार बाजारों को फिर से खोल सकती है।

इसके साथ ही ऑफिसों को भी सीमित कर्मचारियों के साथ फिर से खोला जा सकता है। योगी सरकार के इस कदम से लोगों को राहत भी मिलेगी और इसके साथ ही सख्ती भी रहेगी। हालांकि केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय का स्पष्ट निर्देश है कि 30 जून तक सख्ती को बरकरार रखें, यदि कहीं पर केस कम हैं तो फिर राज्य सरकार अपनी तरफ से निर्णय ले सकती हैं।

हालांकि सरकार अभी पूरी तरह से छूट देने के मूड में नहीं है। दरअसल पूरी तरह से छूट से एक बार फिर से कोरोना के मामले बढ़ सकते हैं. इसीलिए पाबंदियां अब भी जारी रहेंगी। सख्ती के साथ ही छूट का फैसला लिया जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि चरणबद्ध तरीके से कर्फ्यू में छूट दी जा सकती है वहीं नाइट कर्फ्यू अब भी जारी रह सकता है। वहीं पब्लिक प्लेस पर लगातार कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। प्रदेश में 30 अप्रैल से कर्फ्यू लागू है। शुरू में इसे 3 मई तक लागू रहना था, लेकिन बाद में इसकी अवधि 6 मई तक बढ़ा दी गई थी। बाद में इसे और विस्तार देते हुए 10 मई तक कर दिया गया था और जिसे अब बढ़ाकर 17 मई और फिर 31 मई किया गया है। बता दें कि यूपी में 30 अप्रैल के बाद से ही आंशिक कोरोना कर्फ्यू है।

24 घंटे में आए 2200 पॉजिटिव केस

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साधी नीति के सफल परिणाम का असर है कि प्रदेश के दो जिलों में कोई केस नहीं है. इसके साथ ही 16 जिलों में सिंगल डिजिट में केस हैं, जबकि 53 जिलों में डबल डिजिट में केस हैं।

अयोध्या में बन रही धन्नीपुर मस्जिद के लिए दान देने पर नहीं लगेगा कोई टैक्स

अयोध्या। यहां बन रही धन्नीपुर मस्जिद के लिए दान देने वालों को टैक्स में छूट दे दी गई है। मस्जिद निर्माण का काम देख रहे ट्रस्ट ने इस बात की जानकारी दी। इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन के ट्रस्टी कैप्टन अफजाल अहमद ने बताया कि इनकम टैक्स एक्ट की धारा-80जी के तहत दान में टैक्स से छूट दी गई है। फाउंडेशन के ट्रस्टी कैप्टन अफजाल बताते हैं कि पिछले साल 1 सितंबर को आईटी एक्ट की धारा-80जी के तहत टैक्स छूट के लिए अर्जी दी गई थी, जिसे इस साल 21 जनवरी को खारिज कर दिया गया था।

उन्होंने बताया कि 3 फरवरी को दोबारा आवेदन दिया था, जिसे अब मंजूर कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को उन्हें टैक्स में छूट को मंजूरी देने वाला सर्टिफिकेट मिल गया है। इससे पहले पिछले साल अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए दान देने पर टैक्स में छूट दी गई थी। आईटी एक्ट की धारा-80जी के तहत टैक्स में छूट का फायदा मिलता है।

नोएडा। यहां की बड़ी कंपनियों में शुमार यू-फ्लैक्स में सभी अधिकारी एवं कर्मचारी को कोविड वैक्सीन लगवाई जा रही है। कंपनी के चेयरमैन अशोक चतुर्वेदी ने आज वैक्सीन लगवाकर इसकी शुरुआत की। यू-फ्लैक्स नोएडा की पहली ऐसी कंपनी है जो अपने ही परिसर में कर्मियों को वैक्सीन लगवा रही है। **-छाया: जय हिन्द जनाब**

खास खबर

सपा सांसद आजम खान की तबीयत क्रिटिकल, कोविड आईसीयू वार्ड में भर्ती

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता और सांसद आजम खान की तबीयत गंभीर बनी हुई है। वे अब भी कोविड आईसीयू वार्ड में भर्ती हैं। मेदांता अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉक्टर राकेश कपूर ने कहा है कि उन्हें ऑक्सीजन दी जा रही है। उनके फेफड़ों में फाइब्रोसिस है। आजम खान के बेटे की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आ चुकी है।

डॉक्टर राकेश कपूर ने कहा है कि सपा नेता को 3 से 5 लीटर ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है। बीते दिनों उनके फेफड़ों में फाइब्रोसिस डिटेक्ट हुआ था, साथ ही लंग्स में कैविटी भी पाई गई थी। यही वजह है कि ऑक्सीजन सपोर्ट को 2 लीटर से बढ़ाकर 5 लीटर करना पड़ा। तबीयत क्रिटिकल होने की वजह से उन्हें आईसीयू वार्ड में शिफ्ट करना पड़ा है। डॉक्टर कपूर का यह भी कहना है कि फाइब्रोसिस रोग फेफड़ों में जख्म और अकड़न की वजह है। इस रोग के चलते शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है।

सही थे विधायक के आरोप अस्पतालों ने लौटाई राशि

जय हिन्द संवाद

ग्रेटर नोएडा। जेवर विधायक ने पीएम और सीएम को पत्र लिखकर निजी अस्पतालों पर अधिक वसूली के आरोप लगाए। शुरुआत में आईएमए ने आरोप गलत बताएं लेकिन अब विधायक धीरेंद्र सिंह के आरोप सही साबित हो रहे हैं, क्योंकि आठ अस्पतालों ने अतिरिक्त वसूली गई धनराशि को जिलाधिकारी ने वापस कराई है।

जिला सूचना अधिकारी राकेश चौहान ने बताया कि जिले के 8 अस्पतालों के खिलाफ अधिक वसूली की शिकायत मिली थी। जिसमें नोएडा एनआरआई डायग्नोस्टिक, दादरी के प्राइवेट अस्पताल में अतिरिक्त बिल, यथार्थ अस्पताल, जेपी अस्पताल, प्रकाश अस्पताल, फेलिक्स अस्पताल आदि शामिल हैं। इन सभी पर अलग-अलग बहानेबाजी करके अधिका वसूले के अलग-अलग लोगों ने आरोप लगाए थे। जांच के बाद इन अस्पतालों को चेतावनी देते हुए सभी से वसूली गई अतिरिक्त फीस वापस करने का आदेश दिया गया। जिलाधिकारी ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी अस्पताल द्वारा अतिरिक्त धनराशि ली जाती है तो इसकी शिकायत चिकित्सा विभाग के कंट्रोल रूम में कर सकते।

फेलिक्स अस्पताल में 24 घंटे वैक्सीनेशन

जय हिन्द संवाद

नोएडा। सेक्टर-137 स्थित फेलिक्स अस्पताल ने आज से 24 घंटे ड्राइव थ्रू कोविड वैक्सीनेशन सेंटर की शुरुआत की गई है। इसका उद्घाटन डीएम सुहास एल वाई, सीएमओ डॉ. दीपक ओहरी और जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. नीरज त्यागी व अस्पताल के सीएमडी डॉ. डीके गुप्ता ने किया। यह भारत का पहला 24 घंटे चलने वाला वॉक-इन एवं ड्राइव थ्रू वैक्सीनेशन सेंटर है।

इस दौरान सुहास एल वाई ने कहा नॉन कोविड फेलिक्स

अस्पताल में 24 घंटे वैक्सीनेशन की सुविधा उन लोगों को ध्यान में रख कर की गयी है जो आठ घंटे नौकरी करते हैं और उन्हें दिन में वैक्सीन लगवाने में तमाम मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

24 घंटे वैक्सीनेशन की शुरुआत से सेंटर पर भीड़ में कमी आएगी और जो लोग भीड़ के कारण वैक्सीन नहीं लगवा रहे हैं वो भी अब वैक्सीन ले सकेंगे। 24 घंटे ड्राइव थ्रो के शुरु होने से वो लोग भी वैक्सीन के लिए आ सकेंगे जिन्हें अब तक सेंटर जाते समय कोरोना होने का डर सता रहा था।

आईपीएल का शेष भाग यूएई में

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियम लीग के शेष मैच अब यूएई में खेले जाएंगे। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने इसकी पुष्टि की है। श्री शुक्ला के मुताबिक यूएई में क्रिकेट प्रेमियों की बड़ी तादाद है। इसीलिए इसको वहां ट्रांसफर किया गया है।

उल्लेखनीय है कि भारत में तेजी से बढ़े कोरोना के कारण आईपीएल मैचों को बीच में ही रोक दिया गया था। उसके बाद से लगातार चर्चा थी कि आखिर इस सीजन का क्या होगा।

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह जयंती पर आज लोकभवन में उनके फोटो पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

डॉक्टर पर चाकू से हमला

जय हिन्द संवाद

दादरी। थाना दादरी क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे रोड पर डेंटल क्लीनिक में घुसकर एक व्यक्ति ने डॉक्टर पर चाकू से हमला कर दिया। हमला करने की वजह थी मनमाफिक दाढ़ में मसाला न भरना। डॉक्टर ने फिलहाल भरने के लिए मना किया था। इतना सुनते ही युवक ने हमला बोल दिया।

पुलिस के अनुसार रेलवे रोड पर डॉ. अजय घोष का डेंटल क्लीनिक है, जहां आज सुबह उमेर नामक युवक दाढ़ में मसाला भरवाने आया था, लेकिन डॉक्टर ने मसाला भरने से इंकार कर दिया। इसी को लेकर उमेर का डॉक्टर अजय से विवाद हुआ। देखते ही देखते वह आग बबूला हो गया और उसने डॉक्टर पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

- अर्ज है

जनाब ...

पेट्रोल-डीजल के बाद हवाई सफर भी महंगा

जनाब-ए-आली

अच्छे दिनों के साथ देश बदल रहा है...!

एक साल में 71 से 100 के पार पहुंचा पेट्रोल

आर्थिक गतिविधियां ठप, पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से जनता पर महंगाई की मार

जय हिन्द संवाद

मुंबई। देश में आंशिक लॉक डाउन से स्थिति पहले जैसी नहीं रही। आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार भी एकदम धीमी पड़ गई है। लोगों में कोरोना का डर तो है ही, लेकिन महंगाई की मार से परेशानी ज्यादा बढ़ गई है। महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आई रिकॉर्ड बढ़त है। देश के कई क्षेत्रों में एक लीटर पेट्रोल का भाव 100 रुपए के पार हो गया है। इन दिनों मध्य प्रदेश और राजस्थान के सभी जिलों पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के पार निकल गया है। वहीं महाराष्ट्र के 30 और आंध्र प्रदेश के 7 जिलों में भी पेट्रोल की कीमत 100 रुपए के पार पहुंच गई है। देश के 726 जिलों में से 122 जिलों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के पार निकल गया है। देश में सबसे पहले राजस्थान के श्रीगंगानगर में पेट्रोल 100 रुपए के पार निकला था। देश की आर्थिक राजधानी दिल्ली में भी पेट्रोल आज 100 रुपए के पार निकल गया है।

राज्यों में पेट्रोल का भाव 105 रुपए प्रति लीटर

सरकारी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मुताबिक राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल का भाव 93.68 रुपए है, लेकिन राजस्थान के श्रीगंगानगर में पेट्रोल 104.94 रुपए के रिकॉर्ड भाव पर बिक रहा है। वहीं, मध्यप्रदेश के अनूपपुर में भी पेट्रोल 104.62 रुपए पर पहुंच गया है। इन दोनों राज्यों के कई जिलों में पेट्रोल के भाव अब तक के सबसे ऊंचे भाव पर बिक रहे हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने का ये होगा असर

फ्यूल प्राइसेस बढ़ने का सीधा असर ट्रांसपोर्टेशन पर पड़ता है। प्रोडक्ट्स मैन्युफैक्चरिंग की लागत भी बढ़ती है। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ता है। सब्जी, फल, अनाज सहित रोजमर्रा के काम में इस्तेमाल होने वाले अन्य सामानों की कीमतें बढ़ती हैं। इससे खपत पर बुरा असर पड़ता है और इकोनॉमी ग्रोथ को भी झटका लगता है।

हवाई सफर भी महंगा

जय हिन्द संवाद

नई दिल्ली। अब हवाई यात्रा करने वालों को अपनी जेब और ढीली करनी पड़ेगी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने प्लेन की टिकट के दामों में बढ़ोतरी की है। नई दरें आने वाली एक जून से लागू होंगी। केंद्रीय मंत्रालय की तरफ से प्लने के किराए में अलग-अलग ड्यूरेशन वाले विमानों के किराए में 13 से 16 फीसदी तक बढ़ोतरी की है। 40 मिनट की दूरी वाले विमानों के किराए की निचली सीमा 2300 रुपये से बढ़ाकर 2600 रुपये कर दिया गया है। वहीं 40 से 60 मिनट की यात्रा वाली फ्लाइट के किराये की निचली सीमा 2,900 रुपए की जगह अब 3,300 रुपए प्रति व्यक्ति कर दी गई है। कोरोना संकट के बीच यह फैसला लिया गया है। कोरोना की वजह से एविएशन सेक्टर को बड़ा नुकसान हो रहा है। सीएपीए के एक अनुमान के मुताबिक इस सेक्टर को वित्त वर्ष में छह से साढ़े छह अरब डॉलर का घाटा हो सकता है।

केंद्र ने 16 फीसदी तक बढ़ाया न्यूनतम किराया, एक जून से लागू होंगी नई दरें

एक मे मॉगो! PRIYAGOLD

Breaking >> वाशिंगटन : वैक्सीन उत्पादन में भारत को अमेरिका के साथ काम करना है : भारतीय विदेशमंत्री >> महाराष्ट्र : चक्रवाती तूफान ताउते के चलते पालघर में तेल से भरा जहाज फंसा >> मुंबई : जाति सूचक टिप्पणी पर टीवी एक्टर मुनमुन पर एफआईआर >> कुलदीप सिंह को एनआईए का अतिरिक्त प्रभार

शादी के पंडाल पर गिरा हाईटेंशन तार

चार की मौत, दूल्हे के पिता समेत तीन लोग झुलसे

जय हिन्द संवाद

सीतापुर। आंधी की वजह से शादी का पंडाल उखड़ गया और लोहे का पाइप हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गया। हादसे से वर-वधु पक्ष में कोहराम मच गया। इस घटना में दूल्हा विकास पाल के चाचा मायाराम, फूफा राधे, मामा रामऔतार समेत कुल चार लोगों की मौत हो गई है। कन्या पक्ष से उसके परिवार के एक व्यक्ति रामचंद्र की करंट से मौत हुई है। घटना में झुलसे तीन अन्य लोगों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। इस तरह हाईटेंशन करंट की चपेट में आए कुल सात लोगों में छह की मौत हो गई है।

यह दर्दनाक हादसा शुक्रवार देर रात थाना कमलापुर क्षेत्र में सीता रसोई के पास हनुमानपुर गांव में हुआ। यहां राजेंद्र पाल की बेटी की बारात बिसवां के मोचकलां गांव से आई थी। राम प्रताप पाल अपने बेटे विकास पाल की बारात लेकर समय से राजेंद्र पाल के दरवाजे पहुंच भी गए थे। द्वारचार की रस्में पूरी हो चुकी थी। इसी बीच मौसम खराब हुआ और तेज आंधी के बीच बूंदाबांदी शुरू हो गई। आंधी की वजह से शादी का पंडाल उखड़ गया और लोहे का पाइप ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गया, इससे पाइप में करंट उतर आया और उसकी चपेट में आकर चार लोगों की झुलसकर मौत हो गई जबकि तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घटना की सूचना पाकर रात में ही गांव पहुंचे कमलापुर थानाध्यक्ष संजय कुमार घायलों को इलाज के लिए कसमंडा सीएससी लाए थे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद भी हालत गंभीर देख कर डॉक्टरों ने इन सभी को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया था। वहीं, जिला अस्पताल में प्रारंभिक इलाज के दौरान ही इमरजेंसी में चार लोगों ने दम तोड़ दिया है।

करंट से इनकी हुई मौत- बिसवां इलाके के मोचकला निवासी मायाराम, इसरीपुरवा निवासी राधे (52), मानपुर के गोवर्धनपुर निवासी रामऔतार (38), कमलापुर के हनुमानपुर निवासी रामचन्द्र (40) की मौत हो गई। इन मृतकों में दूल्हा के चाचा मायाराम, फूफा राधे और मामा राम औतार हैं। दूल्हे का चाचा मायाराम क्षेत्र पंचायत सदस्य (बीडीसी) था।

मेरठ। कोरोना के दौर और भीषण गर्मी में गुरुनानक नगर के लोग 24 घंटे बिजली-पानी को तरस गए। बच्चे और बुजुर्ग पसीने से तर हुए तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

उत्तर प्रदेश में चरणबद्ध तरीके से खुलेगा कोरोना कर्फ्यू

जय हिन्द संवाद

लखनऊ। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण की सेकेंड स्ट्रेन का कहर कुछ कम होने के बाद योगी आदित्यनाथ सरकार कोरोना कर्फ्यू में कुछ राहत देने का मन बना रही है। सरकार प्रदेश में कोरोना कर्फ्यू को चरणबद्ध तरीके से खोलने की तैयारी में है। प्रदेश में कोविड के मामले कम हुए हैं लेकिन ब्?लैक फंगस लगातार पांव पसार रहा है। इसके बावजूद यहां पर कोरोना कर्फ्यू को बढ़ाए जाने की उम्?मीद कम ही दिखाई दे रही है। माना जा रहा है कि सरकार एक जून से बाजार पर लगी पाबंदियों को हटा सकती है और दफ्तरों को भी सीमित संख्?या के साथ खोल सकती है।

सरकार के इस कदम से लोगों को राहत भी मिलेगी और इसके साथ ही सख्ती भी रहेगी। हालांकि केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय का स्पष्ट निर्देश है कि 30 जून तक सख्ती को बरकरार रखें, यदि कहीं पर केस कम हैं तो फिर राज्य सरकार अपनी तरफ से निर्णय ले सकती हैं। केंद्र सरकार के गृह सचिव अजय भल्ला ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को इस बाबत पत्र भी भेजा है। गृह मंत्रालय की तरफ से हर राज्य के मुख्य सचिव को जारी पत्र में कहा गया है कि जिन जिलों में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या अधिक है, वहां पर गहन एवं स्थानीय स्तर पर नियंत्रण के उपाय किए जाएं।

उत्तर प्रदेश में जारी कोरोना कर्फ्यू का दायरा एक जून से कम करने के संकेत मिल रहे हैं। कोरोना वायरस संक्रमण की चेन रोकने के खातिर देश के सभी राज्यों में लॉकडाउन या कोरोना कर्फ्यू के अपेक्षित परिणाम सामने आ रहे हैं। सभी राज्यों में संक्रमण की रफ्तार मंद पडने लगी है। इसी को देखते हुए कई राज्यों ने एक जून से लॉकडाउन समाप्त करने या फिर कम करने की योजना बना ली है।

सरकार अभी पूरी तरह से छूट नहीं देना चाहती है। सरकार को डर है कि इससे कोरोना के मामलों में फिर से बढ़ोतरी शुरू हो सकती है। इसी कारण अलग फेज में कई तरह की गतिविधियों में छूट दी जाएगी। स्थानीय हालात, जरूरत और स्रोतों का आकलन करने के बाद प्रदेश सरकार चरणबद्ध तरीके से पाबंदियों में रियायत दे सकती है। इसके तहत सरकार वीकेंड और नाइट कर्फ्यू जारी रह सकती है, लेकिन वह अन्य कई गतिविधियों में छूट दे सकती है।

इसमें सार्वजनिक स्थल पर लोगों के कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए 25 के स्थान पर 50 लोगों के एकत्र होने की मंजूरी भी है। इसके अलावा विवाह से जुड़ी वस्तुओं की दुकान, कपड़े की दुकान, किराना, सब्जी व फल की दुकानों को भी खोला जाएगा। इसी क्रम में कंस्ट्रक्शन से जुड़े कामों को शुरू करने की मंजूरी मिल सकती है।

सरकार फिलहाल तो शॉपिंग मॉल, फिल्म थिएटर तथा सैलून के साथ ही कंटेनमेंट जोन में पडने वाली सारी दुकानें खोलने की योजना में नहीं है। सामाजिक, धार्मिक व राजनीतिक कार्यक्रम पर पाबंदी जारी रहेगी।

प्रदेश में आठ अप्रैल को उन जिलों में नाइट कर्फ्यू लगाया गया, जहां पर 500 से अधिक एक्टिव केस थे। इसके बाद 17 अप्रैल से पूरे प्रदेश में रविवार का कोरोना कर्फ्यू लगाया। इसके तीन दिन बाद यानी 20 अप्रैल से प्रदेश में हर शनिवार-रविवार वीकेंड कोरोना कर्फ्यू लगाया गया। 30 अप्रैल को कोरोना कर्फ्यू लगाया गया, जिसे एक दिन बाद छह मई तक लगाया गया। पांच मई को कोरोना कर्फ्यू को दस मई तक दिया गया। नौ मई को इसे बढ़ाकर 17 मई तक कर दिया गया। इसके बाद 15 मई को कोरोना कर्फ्यू बढ़ाकर 24 मई तक कर दिया गया। 23 मई को इसे 31 मई तक बढ़ा दिया गया है।

केंद्र सरकार ने राज्यों को सलाह दी है कि कोरोना वायरस से बचाव को देखते हुए लॉकडाउन जून में भी जारी रखें। केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कोविड-19 के मौजूदा दिशा-निर्देशों को 30 जून तक जारी रखने का आदेश दिया है। केंद्र की तरफ से कहा गया है कि कोरोना के मामलों में कमी आने के बाद भी अभी सख्ती करने की जरूरत है। इसको देखते हुए अभी कुछ राज्य 30 जून तक लॉक डाउन या कोरोना कर्फ्यू लागू रख सकते हैं। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने पत्र में कहा कि मैं इस बात पर प्रकाश डालना चाहूंगा कि कोरोना के नए केस और मामलों में कमी आने के बाद भी मौजूदा समय में उपचाराधीन मामलों की संख्या अब भी बहुत अधिक है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर अगले सप्ताह से करें फास्टैग से टोल टैक्स भुगतान

जय हिन्द संवाद

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर फास्टैग सुविधा लागू होने जा रही है। एक सप्ताह में वाहन चालकों को यह सुविधा मिल जाएगी। एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर की दो-दो लेन फास्टैग होगी। शेष लेन नकद टोल टैक्स भुगतान वाले वाहन चालकों के लिए होगी। एक्सप्रेस-वे पर आइआइटी दिल्ली के सुरक्षा उपायों पर कार्य शुरू करने के लिए यमुना प्राधिकरण ने सोमवार को बैठक बुलाई है। ग्रेटर नोएडा से आगरा तक 165 किमी लंबे यमुना एक्सप्रेस-वे पर अब तक फास्टैग सुविधा नहीं है। इससे एक्सप्रेस-वे से गुजरने वाले वाहन चालकों को काफी असुविधा होती है। टोल टैक्स की मैनुअल व्यवस्था से जाम की स्थिति बनती है। त्योहार व सप्ताहांत में एक्सप्रेस-वे के टोल प्लाजा पर वाहनों की लंबी कतारें लगती हैं। 165 किमी की दूरी तय करने में चालकों को काफी समय लगता है। एक्सप्रेस-वे पर फास्टैग की सुविधा को लेकर दैनिक जागरण ने अभियान चलाया था।

इसका संज्ञान लेते हुए यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने एक्सप्रेस-वे की संचालक कंपनी जेपी इंफ्राटेक को निर्देश दिए थे कि टोल प्लाजा पर फास्टैग की सुविधा वाहन चालकों को दी जाए। एक्सप्रेस-वे के तीनों टोल प्लाजा, जेवर, मथुरा व आगरा में फास्टैग के लिए जरूरी तकनीकी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। एक सप्ताह में यह सुविधा वाहन चालकों के लिए शुरू होगी। वाहन चालक फास्टैग से टोल टैक्स का भुगतान कर सकेंगे। इससे यात्रा के समय में बचत के साथ टोल प्लाजा पर लगने वाले जाम से भी मुक्ति मिलेगी। हालांकि जो वाहन चालक नकद टोल टैक्स का भुगतान करना चाहेंगे, उनके लिए भी टोल पर बूथ निर्धारित रहेंगे।

सुरक्षा उपाय लागू करने के लिए सोमवार को बैठक आइआइटी दिल्ली के सुझावों के मुताबिक यमुना एक्सप्रेस-वे को सुरक्षित बनाने की योजना है। इसके मद्देनजर सोमवार को बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में यमुना प्राधिकरण, जेपी इंफ्राटेक आदि के अधिकारी शामिल होंगे। सुरक्षा उपाय लागू करने पर 108 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह कार्य गुजरात की एक कंपनी को सौंपा गया है। इसके तहत एक्सप्रेस-वे की दोनों ओर की सड़कों के बीच के स्थान के दोनों ओर क्रैश बीम बैरियर लगाए जाएंगे। इससे तेज रफ्तार वाहन अनियंत्रित होकर दूसरी ओर की सड़क से गुजर रहे वाहन से नहीं टकराएंगे।

डॉ. अरुणवीर सिंह (सीईओ, यमुना प्राधिकरण) का कहना है कि यमुना एक्सप्रेस-वे पर फास्टैग की सुविधा एक सप्ताह में शुरू होगी। दोनों ओर की दो-दो लेन फास्टैग वाहनों के लिए आरक्षित होंगी। आइआइटी दिल्ली के सुझावों को लागू कराने के बारे में सोमवार को बैठक बुलाई गई है।

उधार वापस मांगने पर कपड़ा कारोबारी को कोल्ड ड्रिंक में दिया जहर, हालत गंभीर

जय हिन्द संवाद

मेरठ। दोस्त से उधारी मांगना कपड़ा कारोबारी को भारी पड़ गया। युवक ने कारोबारी को धोखे से कोल्ड ड्रिंक में जहरीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। तबीयत बिगडने पर उसे कब्रिस्तान के पास फेंककर फरार हो गया। सूचना पर पहुंचे स्वजन ने कारोबारी को नर्सिंग होम में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। तहरीर दे दी गई है।

लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के किदवई नगर निवासी आमिर कपड़ा कारोबारी हैं। करीब एक साल पहले उन्होंने मोहल्ले के ही दोस्त जुनैद को दो लाख रुपये उधार दिए थे। काफी समय से वह रुपये मांग रहे थे, लेकिन वह आज-कल कर रहा था। शुक्रवार शाम को जुनैद ने आमिर को शंभूदास गेट के पास बुलाया। इस दौरान उसे कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए दी। जैसे ही उसने कोल्ड ड्रिंक पी, वैसे ही उसकी तबीयत बिगडने लगी। आरोपित ने उसे इस्लामाबाद चौकी के पास स्थित कब्रिस्तान के नजदीक फेंक दिया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। इस्लामाबाद पुलिसकर्मी मौके पर पहंचे और स्वजन को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे पिता इलियास और भाई ने उसे हापुड़ रोड स्थित सिटी हास्पिटल में भर्ती कराया। थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपित के घर दबिश दी थी, लेकिन वह हाथ नहीं आया। रिपोर्ट दर्ज कर जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मेरठ में ब्लैक फंगस के कहर के बीच मिला येलो फंगस का एक मरीज, डाक्टरों में हलचल

जय हिन्द संवाद

मेरठ। मेरठ में ब्लैक फंगस के कहर के बीच येलों फंगस का भी एक मामला सामने आया है। अभी तक ब्?लैक फंगस में शहर में 180 मरीज मिल चुके हैं। इसी बीच में शुक्रवार को मेडिकल कालेज में चार दिनों से भर्ती एक मरीज की जांच करते ही डाक्टर चौंक पड़े। उसके सैंपल में पीले रंग का डिस्चार्ज मिलने से चिकित्सकों में हलचल मच गई। विभागाध्यक्ष डा. वीपी सिंह ने पीला फंगस की आशंका जताते हुए सैंपल जांच के लिए माइक्रोबायोलोजी लैब भेज दिया है। ऐसा फंगस अब तक नहीं देखा गया। लैब सात दिन में जांच रिपोर्ट देगा। इससे पहले गाजियाबाद के एक ईएनटी सर्जन ने गत दिनों येलो फंगस का एक केस देखा था।

ईएनटी के प्रोफेसर डा. वीपी सिंह ने बताया कि मुजफ्फरनगर से आए मरीज की नाक में दर्द, आंख व चेहरे में सूजन थी। जांच में पता चला कि यह फंगस अलग है। माइक्रोस्कोप से इसे स्क्रीन पर लेकर देखा गया तो पीला रंग देखकर डाक्टर हैरान रह गए। डाक्टरों ने तत्काल प्राचार्य डा. ज्ञानेंद्र सिंह को सूचित किया, साथ ही शासन को भी औपचारिक जानकारी दे दी गई है। बताया जाता है कि येलो फंगस अन्?य फंगस से ज्?यादा खतरनाक है। मेडिकल कालेज में शुक्रवार को कोरोना से कुल तीन मौतें हुईं, जिसमें एक मरीज फंगस से भी ग्रसित था। आठ मरीज आइसीयू में रखे गए हैं, जिनके दिमाग तक फंगस पहुंचने से चिकित्सा प्रशासन परेशान है। वहीं, शासन ने एंफोटेरिसिन-बी का सौ वायल इंजेक्शन आवंटित किया। मेरठ मेडिकल कालेज को 70 वायल मिले हैं।

मेरठ का इंचौली शराब कांड

सिपाही ने उगले राज, 10 लोगों की गई थी जान

जय हिन्द संवाद

मेरठ। अलीगढ़ में जहरीली शराब के कहर बरपाने के बाद जनपद में अलर्ट घोषित कर दिया गया है। मेरठ में भी पिछले महीने इंचौली के साधारणपुर गांव में पंचायत चुनाव के दौरान बांटी गई शराब पीने से दस लोगों की मौत हुई थी। पुलिस ने उस प्रकरण में सीआइएसएफ के जवान अमित से पूछताछ में कई राज बेपर्दा किए। जवान ने बताया कि शराब में डाली गई नशीली गोलियां दिल्ली के चादंनी चौक स्थित मेडिकल स्टोर से खरीदी थीं। उसने शराब की सप्लाई में कुछ और लोगों के नाम भी बताए हैं। पुलिस इनकी तलाश कर रही है।

इंचौली के साधारणपुर गांव में 24 अप्रैल को पंचायत चुनाव में शराब शराब बांटी गई थी। पुलिस ने जांच कर दावा किया कि शराब

पीने से चार लोगों की मौत हुई है, जबकि छह लोग बीमारी से मारे गए हैं। पुलिस ने इस मामले में प्रधान पद के प्रत्याशी संजय कुमार और महाराज सिंह तथा सीआइएसएफ के जवान अमित को जेल भेज दिया। जवान अमित ने बताया कि ग्रामीणों को गन्ने के रस में शराब और नशीली गोलियां मिलाकर पिलाई थीं। बता दें कि इस मुकदमे की विवेचना इंचौली से हटाकर भावनपुर थाने में इंस्पेक्टर नीरज मलिक को दे दी गई है। एसपी देहात केशव कुमार का कहना है कि पुलिस इस मामले की तह तक पहुंचेगी।

रोहटा थाना क्षेत्र के डूंगर गांव और जानी के मीरपुर जखेड़ा गांव में शराब पीने से पांच लोगों की मौत हुई थी। सितंबर 2020 में मीरपुर जखेड़ा में जगपाल और पवन की मौत हुई थी। डूंगर गांव में तीन लोग मरे थे। पुलिस ने पीड़ित परिवार की तहरीर पर रंजिशन शराब में जहर मिलाने का मुकदमा दर्ज किया था। इसमें प्रधान पद के प्रत्याशी को जेल भेज दिया था।

कानपुर से उमरा जाने के लिए लागू हुई नई शर्त

अब इसका प्रमाण पत्र दिखाना अनिवार्य

जय हिन्द संवाद

कानपुर,। कोरोना की दूसरी लहर थमने लगी है। ऐसे में माना जा रहा है कि अगस्त में मोहर्रम के बाद उमरा के लिए वीजा खुलने की संभावना है। कोरोना काल में जो गाइडलाइन हज के लिए निर्धारित की गई थी, वही उमरा पर भी लागू होगी। 15 दिन की इस यात्रा के लिए सऊदी अरब सरकार ने गाइडलाइन जारी कर दी है कि वीजा आवेदन के साथ वैक्सीनेशन प्रमाणपत्र की प्रति लगानी होगी।

सऊदी अरब सरकार ने चार प्रकार की वैक्सीन को मान्यता दी है। इनमें से कोई एक वैक्सीन लगवाना जरूरी है। हज में करीब साढ़े तीन लाख रुपये का खर्च होता है, जबकि उमरा साठ हजार से एक लाख रुपये में हो जाता है। सऊदी अरब के काबा और मदीना शरीफ जाने की तमन्ना हर मुस्लिम की होती है। जायरीन या तो हज पर जाकर मक्का व मदीना पहुंचते हैं या उमरा कर अपनी ख्वाहिश को पूरा करते हैं। कोरोना की वजह से पिछले वर्ष की तरह इस बार भी भारतीयों का हज पर जाना संभव नहीं है। ऐसे में वे मोहर्रम के महीने (अगस्त) में उमरा करने की तैयारी कर रहे हैं। सऊदी अरब के हज एवं उमरा मंत्रालय ने हज के लिए जो गाइडलाइन तय की है, वही उमरा के लिए लागू होगी।

जल्द शुरू होगी फास्टैग प्रणाली

बिना रुके कटेगा टोल

जय हिन्द संवाद

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर जल्द ही फास्टैग प्रणाली लागू होने वाली है। बिना रुके ही टोल कट जाएगा। और लम्बी लाइन से निजात मिलेगी। फिलहाल हर टोल पर आने और जाने की दो-दो लेन पर यह सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके लिए एक्सप्रेसवे प्रबंधन तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है।

यमुना एक्सप्रेस वे पर अभी तक फास्टैग की सुविधा नहीं है। इस सुविधा को शुरू करने के लिए यमुना प्राधिकरण लगातार प्रयास में जुटा हुआ है। इसको लेकर वह एक्सप्रेसवे प्रबंधन से लगातार अपडेट ले रहा है। एक्सप्रेसवे प्रबंधन ने यह सुविधा शुरू करने के लिए संबंधित कंपनी से अनुबंध कर लिया है। महामारी के चलते इस सुविधा को शुरू होने में विलंब हो गया। अब एक हफ्ते के भीतर एक्सप्रेसवे पर फास्टैग की सुविधा शुरू हो जाएगी। एक्सप्रेसवे के हर टोल पर दो-दो लेन में फास्टैग रहेगा। इससे वाहनों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। यमुना एक्सप्रेस वे पर त्योहारों के आसपास टोल पर जाम जैसे हालात बन जाते हैं। इस सुविधा के शुरू होने से इस समस्या से निजात मिल जाएगी। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुण वीर सिंह ने बताया कि एक सप्ताह के भीतर फास्टैग की सुविधा मिलने लगेगी। इसकी तैयारी लगभग पूरी हो गई है। यहां से गुजरने वाले लोगों को राहत मिलेगी।

दस दिनों में ज्यादातर गांव सैनिटाइज: पंखुड़ी

जय हिन्द संवाद

नोएडा। ग्रामों में कोरोना संक्रमण को कम करने के लिए कांग्रेस नेत्री पंखुड़ी पाठक ने विगत दिनों हर गांव मेरा गांव की शुरुआत की गई थी जिसको 10 दिन पूरे हो गए हैं। इस अभियान के तहत गांव नवादा, वाजिदपुर, सौरखा, पर्थला, बिशनपुरा, चौड़ा, झुंडपुरा, सरफाबाद, छजारसी , बेहलोलपुर, गढ़ीचौखंडी, होशियारपुर, बरौला, गिझोड़, छलेरा, अघापुर, सुल्तानपुर, बख्तावरपुर, रायपुर, असगरपुर, हाजीपुर, सिलारपुर, गेझा, नयागांव, इलाबांस, याकुबपुर, गढ़ी सेहदरा, हल्दोनी, जलपुरा आदि समेत करीब 40 गांवों में सैनिटाइजेशन करवाया जा चुका है।

पंखुडी ने बताया कि सोशल मीडिया पर नोएडा वासियों से आ रही सूचना के चलते चोटपुर कॉलोनी, एफएलजी कॉलोनी, सेक्टर 71 जनता फ्लैट्स, जागृति विहार, सेक्टर 122, आदि में भी सैनिटाइजेशन करवाया गया।

उन्होंने बताया कि अब सेक्टरों से भी लगातार सैनिटाइजेशन की डिमांड आ रही है। जिसके चलते सेक्टर 62 में शक्ति कुंज, स्वागतम् अपार्टमेंट, शताब्दी रेल विहार, भारत पेट्रोलियम, निरुपम, त्रिकुटा हिल आदि, सेक्टर 34 व सेक्टर 52 के अरावली अपार्टमेंट आदि में भी सैनिटाइजेशन करवाया गया है।

पंखुडी ने बताया कि उन्होंने लोगों द्वारा सूचना देने के लिए हेल्पलाइन नम्बर 8860441490 जारी किया हुआ है जिसपर उन्हें सैनिटाइजेशन करवाने के लिए मैसेज आते हैं।

साथ ही फेसबुक व ट्विटर के माध्यम से भी लोग उन्हें सैनिटाइजेशन के लिए सम्पर्क कर रहे हैं।

उनका कहना है कि लोग सरकार, जनप्रतिनिधियों व अथॉरिटी से अपने सुरक्षा की उम्मीद लगाए बैठे थे लेकिन उनके हाथ सिर्फ निराशा आई। वहीं हम लोग गाँव की हर गली यहाँ तक की लोगों के घरों तक को सैनिटायज़ करवा रहे हैं ।

ग्रामीणों द्वारा सैनिटाइजेशन ना होने की शिक़ायत के चलते उन्होंने यह अभियान नोएडा के गांवो के लिए शुरु किया था लेकिन अब सेक्टरों व कॉलोनियों से भी मांग उठने पर वह प्रयास कर रही हैं कि वह जहां से भी सूचना मिले वहां सैनिटाइजेशन करवा सकें।

जब तक समर्थ है मदद करते रहिए: डॉ. आश्रय गुप्ता

जय हिन्द संवाद

नोएडा। कोरोना महामारी में गरीबों को और गरीब कर दिया है। जिससे जीवन यापन मुश्किल हो रहा है। मगर सपा नेताओं ने दो वक्त का खाना मुहैया कराने की मुहिम चलाई हुई है। युवका नेता डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि जो लोग निरंतर इस कोरोना जैसी महामारी में अपने घर को छोड़कर हम लोगो की सेवा में लगे है चाहे वो गार्ड हो या हाउसकीपिंग के लोग जो 6-7 हजार रुपए के सैलरी पर अपने परिवार का पेट पाल रहे है। आज उसी क्रम में अपार्टमेंट के गार्ड और हाउसकीपिंग के 25 परिवारों को हमारी समाजवादी टीम की तरफ से राशन किट मोहिया करिए गई। निरंतर मदद जारी है।

एप्पल ने अगले महीने तक पॉडकास्ट सब्सक्रिप्शन लॉन्च को टाला

नई दिल्ली। एप्पल ने अपने पॉडकास्ट सब्सक्रिप्शन प्रोग्राम को आगे बढ़ा दिया है, और अब इसे अगले महीने और बदलाव के बाद लॉन्च किया जाएगा। रिपोर्ट 9टू5 मैक के अनुसार, पॉडकास्टर्स को एक ईमेल में, कंपनी ने कहा कि वह एप्पल पॉडकास्ट सब्सक्रिप्शन के लॉन्च में देरी कर रही है, जो मूल रूप से इस महीने के लिए निर्धारित है। एप्पल ने कहा कि वह जून में पॉडकास्ट सब्सक्रिप्शन और चैनल लॉन्च करेगा जिससे निमार्ताओं और श्रोताओं के लिए सर्वोत्तम अनुभव सुनिश्चित किया जा सके। ऑडियो सुधार पर ध्यान देने के साथ, एप्पल अपने नवीनतम आईओएस 14.6 अपडेट जारी कर रहा है जो एप्पल म्यूजिक ग्राहकों को दोषरहित ऑडियो या डॉल्बी एटमॉस उपलब्ध होने के बाद सक्षम करने की अनुमति देगा।

ऑनलाइन ई-संजीवनी ओपीडी सेवा में जिम्स अव्वल

जय हिन्द संवाद

नोएडा। महामारी के बीच सामान्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए शुरू की गई ऑनलाइन ई संजीवनी ओपीडी सेवा में राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) सबसे आगे है। वीडियो कॉल के जरिए चलने वाली ओपीडी का लाभ अब तक 721 मरीजों ने उठाया है।

प्रदेशभर के मेडिकल कॉलेजों में ई संजीवनी ओपीडी सेवा शुरू की गई है। जिम्स में यह सेवा 8 मई से चल रही है। इस सुविधा का उद्देश्य कोरोना को छोड़कर बाकी बीमारियों से पीड़ित लोगों को चिकित्सीय सहायता देना है। अगर किसी को इस सेवा का लाभ लेना है तो वह ई संजीवनी पोर्टल पर जाकर अपना अलग रजिस्ट्रेशन करा सकता है। रजिस्ट्रेशन के बाद मरीज को समय मिल जाएगा। फिर तय समय पर आप वीडियो कॉल के जरिए ओपीडी सेवा का लाभ ले सकते हैं। जिम्स के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. राकेश गुप्ता ने बताया कि इस सेवा के लिए 16 डॉक्टरों की टीम को लगाया गया है। इसमें सामान्य मेडिसिन और विशेषज्ञ डॉक्टर शामिल हैं। जिम्स में इस सेवा का अब तक 721 मरीज लाभ ले चुके हैं। कोरोना काल में घर बैठे यह सुविधा दी जा रही है।

कॉलेज में यह सुविधा शुरू की है। इसमें सबसे आगे जिम्स है। शिशु अस्पताल नोएडा में 44, यूपीयूएमएस सैफई में 30, आरएमएलएमएस लखनऊ में दो, बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में 16, मेडिकल कॉलेज आगरा में 318, मेडिकल कॉलेज झांसी में 19, मेडिकल कॉलेज कानपुर में 145, मेडिकल कॉलेज मेरठ में 47, मेडिकल कॉलेज प्रयागराज में 304 और एलपीएस इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी कानपुर में 33 लोगों ने इस सुविधा का लाभ लिया है।

मेडिकल कॉलेज अकबरपुर में 183, मेडिकल कॉलेज आजमगढ़ में 47, मेडिकल कॉलेज बांदा में 16, मेडिकल कॉलेज बदायूं में 51, मेडिकल कॉलेज जालौन उरई में 15, मेडिकल कॉलेज कन्नौज में 26, मेडिकल कॉलेज सहारनपुर में 79, एसएमसी फिरोजाबाद में 20, मेडिकल कॉलेज अयोध्या में 118, मेडिकल कॉलेज बहराइच में 41, मेडिकल कॉलेज बस्ती में 38 और मेडिकल कॉलेज शाहजहांपुर में 169 लोगों ने ई संजीवनी सुविधा का लाभ लिया है।

गांवों को सैनिटाइज कर रही सपा की टीम

जय हिन्द संवाद

नोएडा। कोरोना महामारी में भाजपा की ओर से सैनिटाइजनेशन वैसा नहीं कराया जा रहा जैसा कि सपा नेता करा रहे है। इस क्रम में गांव में तेजी से फैल रहे कोरोना चेन तोड़ने के लिए सपा नेता सैनिटाइजनेशन अभियान चला रहे है।

ग्रामीणों की उपेक्षा को देखते हुए इसको देखते हुए समाजवादी पार्टी ने नोएडा के प्रत्येक गांव को सैनिटाइज करने का निर्णय किया। जिससे तेजी से फैल रहे कोरोना को रोका जा सके। इसी अभियान के तहत पूर्व विधानसभा प्रत्याशी व वरिष्ठ समाजवादी पार्टी नेता सुनील चौधरी के सौजन्य से सपा महानगर अध्यक्ष दीपक विग, सपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष रेशपाल अवाना व सपा महासचिव शंभू प्रसाद पोखरियाल के नेतृत्व में पूरी समाजवादी की टीम ग्राम बहलोलपुर पहुंची। एक-एक घर को सैनिटाइज किया। इस मौके पर सत्ते प्रधान, बब्बू यादव, गौरव यादव, कुलदीप शर्मा, गौरव कुमार, अतुल यादव, राहुल सिकंदर, दिलशाद खान, आमिर खान, निक्कू चौहान, सतपाल यादव, अंकित यादव, देवपाल यादव, विकास यादव, आशिक नूरानी, कविता गुर्जर मौजूद रहे। सपा नेता सुनील चौधरी ने कहा पार्टी की ओर से लगातार जरूरतमंदों की मदद की जा रही है। वहीं सता पक्ष के लोग हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। गरीबों को सरकार की ओर से कोई मदद नहीं की जा रही है।

सपा नेता रेशपाल अवाना कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा पीड़ितों और उनके परिजनों को राहत पहुंचाने के कार्य किये जा रहे हैं। कार्यकर्ताओं को यह भी निर्देश दिया गया है कि पीड़ितों की सूचना पर मदद करते रहे। सपा प्रवक्ता विनोद कुमार (बिल्लू) ने बताया कि समाजवादी पार्टी ने सुनील चौधरी के सौजन्य से सेक्टर-5 स्थित झुग्गी झोपड़ी व सेक्टर-8, 9, 10 में जरूरतमंद को खाना वितरित किया। कोरोना काल में भी भाजपा भ्रम क्यों फैला रही है। पूरे प्रदेश में भाजपा और आरएसएस के कार्यकर्ता नदारद हैं, कहीं कोई राहत कार्य करते नहीं दिखते। जबकि समाजवादी पार्टी संगठन कोविड प्रोटोकॉल नियमों का पालन करते हुए पूरे प्रदेश में मानवीय कार्य करने में सक्रिय है। इस मौके पर वीर बहादुर, मोहम्मद अफसर, सूरज कुमार, वीरेंद्र कुमार, मोहम्मद सिराज खान, अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

अफगानिस्तान में हवाई हमले में 14 आतंकवादी ढेर

काबुल। अफगान सेना के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि अफगानिस्तान के बल्ख प्रांत में कई ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमलों में कुल 23 तालिबानी आतंकवादी मारे गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अशांत शोलगारा जिले के बोडाना कला गांव में गुरुवार दोपहर को उ?नें शुरू की गईं। नतीजतन, 23 सशस्त्र आतंकवादी मारे गए और 11 अन्य घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि हवाई हमले में आतंकवादियों की तीन मोटरसाइकिलें भी नष्ट हो गईं। मजार ए शरीफ की राजधानी के साथ बल्ख प्रांत के कुछ हिस्सों में सक्रिय तालिबान आतंकवादियों ने कोई टिप्पणी नहीं की है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा लगभग 20 वर्षों के बाद 11 सितंबर, 2021 तक अमेरिकी सैनिकों के देश से हटने की घोषणा के बाद अफगानिस्तान अनिश्चितता की स्थिति में है। रेसोल्यूट सपोर्ट ट्रेनिंग मिशन के लगभग 10,000 नाटो सैनिक, जिनमें अमेरिका के 2,500 सैनिक और जर्मनी के लगभग 1,100 सैनिक शामिल हैं, दो सबसे बड़े दल देश छोड़ने वाले हैं।

दादरी। जीटी रोड स्थित सरकारी अस्पताल में नगर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को टीकाकरण में लगी महिला व बच्चे और स्वास्थ्य कर्मियों को लंच बॉक्स बांटे जिला अध्यक्ष पवन बसल ने बताया की 50 महिलाओं को लंच बॉक्स दिए गए। इस अवसर पर व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनोज चौधरी, सत्येंद्र चौहान, सोनल गर्ग, ईश्वर वर्मा, तरुण शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

ROYAL DENTAL CENTRE
Serving Your Health with Excellence
Dr. Afshan Nafees Khan
BDS, MIDA
MHA-(Apollo Hospital)
Dental Surgeon
Regd. No. A-10164
Treatment Available
Extraction
Orthodontic Treatment
RPD/FPD
Crown & Bridge
Root Canal Treatment
Filling of All Kind
Teeth Bleaching
Implant Surgery
Teeth Whitening
For Appointment
Call: 9717429533
(Timing : 5.00 pm to 7.30 pm)
A-104, First Floor, Ace Aspire Group, Sec-B, Techzone 4, Greater Noida

ROYAL MEDICAL CENTRE
Serving Your Health with Excellence
Dr. Mohd. Khalid
MBBS, ECFMG (USA Certified)
(Consultant Physician) & Skin
Specialist Time: 7 Days Open
5:30 pm to 7:30
EX RESIDENTS
Apollo Hospital
Alshifa Hospital
GTB Hospital
SDN Hospital
JPH Hospital
SPECIAL EXPERIENCE IN
All Skin Problems
Diabetes
Asthama
High BP
Thyroid
Bones and Joints Problems
PRP Treatment for Hair Loss
(Time : 5:30 p.m. to 7:30 p.m)
For Appointment
Call: 9718987324
A-104, First Floor, Ace Aspire Group, Sec-B, Techzone 4, Greater Noida-201301 (U.P.)

विदेशी छात्रा ने मदद के लिए बढ़ाए हाथ

जेवर विधायक से ली प्रेरणा अब उन्हीं के माध्यम से पहुंच रही राहत सामग्री

जय हिन्द संवाद

ग्रेटर नोएडा। विदेशी छात्रा ने गौतमबुद्ध नगर में लोगों की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाये है। भिक्खुनी नूयेन थी सौ (ताम नघीम), एक वियतनामी भिक्खुनी जो संयुक्त राज्य अमेरिका में बसी हुई हैं। वर्तमान में ह्यूएन ट्रांग मंदिर (मठ), न्यू केनी, टेक्सास, में यूएसए में रह कर अध्ययन कर रही है।

वह उन भारतीयों के लिए कुछ करना चाहती थीं जो कोरोना महामारी के कारण कठिन समय से गुजर रहे हैं। चूंकि, उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से एमए की पढ़ाई करते हुए भारत में अच्छा समय बिताया है और 2013 में बौद्ध अध्ययन में पीएचडी करने के लिए गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया था।

उन्होंने डॉ. अरविंद कुमार सिंह से संपर्क किया और भारत में कोविड रोगियों की भलाई के लिए कुछ राशि दान करने की इच्छा व्यक्त की।

डॉ. अरविंद ने स्थानीय विधायक धीरेंद्र सिंह से संपर्क किया, जो अपने विधानसभा क्षेत्र में कोविड रोगियों को राहत प्रदान करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं, ताकि वे जेवर के कोविद अस्पताल में हाल ही में परिवर्तित सीएचसी के लिए दवा या चिकित्सा उपकरण खरीदने के लिए दान राशि का उपयोग कर सकें।

डॉ. सिंह ने सूचित किया है कि धीरेंद्र सिंह ने नकद में दान लेने से

इनकार कर दिया, लेकिन सुझाव दिया कि वह अस्पताल के उपयोग के लिए कुछ सामान (वाटर कूलर, आदि) खरीदने की कोशिश कर रहे हैं और यह बेहतर है कि आप सीधे विक्रेता को भुगतान करें।

यह सलाह देना और नगद राशि लेने से इनकार करना यह दर्शाता है कि वो कर्मठ जनप्रतिनिधि ही नहीं हैं बल्कि ईमानदारी से अपने लोगों की सेवा करने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डॉ सिंह और उनकी पूर्व छात्रा भिक्खुनी नूयेन थी साव ने इसके लिए सहमति व्यक्त की और दान की राशि उनके द्वारा भारत में स्थानांतरित कर दी। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने बताया है कि दानदाता द्वारा उपलब्ध कराई गई धनराशि से जेवर अंतर्गत आने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रबूपुरा वह जहांगीरपुर के लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर हेतु पावर बैकअप के रूप में इनवर्टर खरीदे गए हैं जो आपातकाल में ग्रामीण क्षेत्र के उन मरीजों के काम आएंगे जिन्हें ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है।

विधायक धीरेंद्र सिंह ने बताया है कि दानदाता द्वारा उपलब्ध कराई गई धनराशि से जेवर अंतर्गत आने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रबूपुरा वह जहांगीरपुर के लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर हेतु पावर बैकअप के रूप में इनवर्टर खरीदे गए हैं।

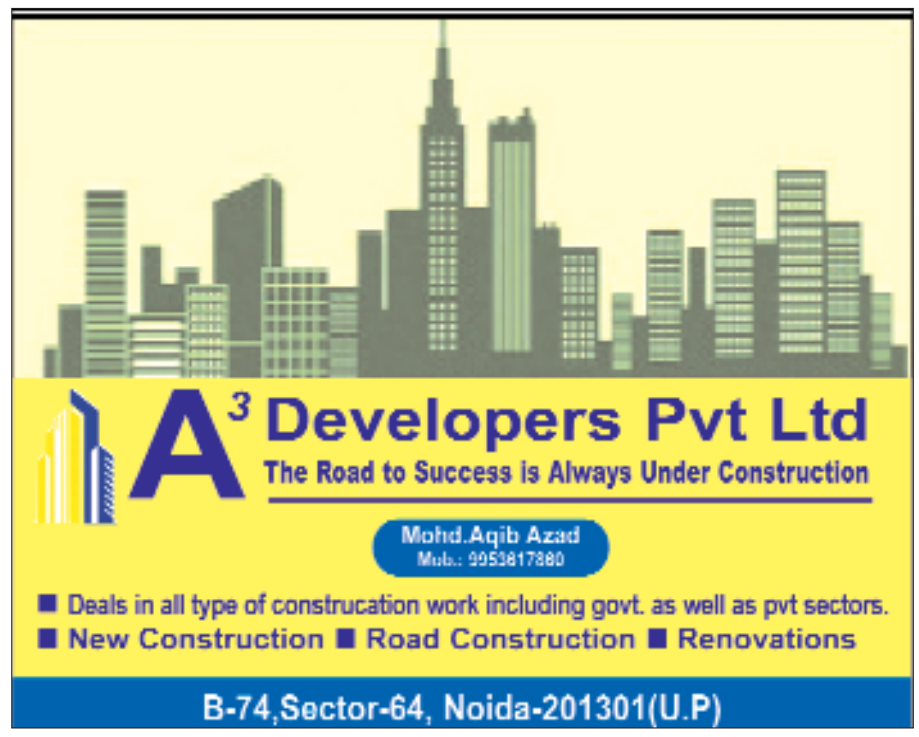

दैनिक जय हिन्द जनाब

शनिवार 29 मई, 2021

धारावी की मिसाल

जिस दौर में दुनिया के तमाम देशों सहित भारत में कोरोना विषाणु का संक्रमण और उसके खतरे एक जटिल चुनौती बन चुके हैं, उसमें मुंबई का धारावी इस संकट से कामयाब लड़ाई का आदर्श बन कर सामने आया है। यों पिछले साल कोरोना के कहर के दौरान भी सबके लिए यह चौंकाने वाला मामला था कि झुग्गी बस्तियों की घनी रिहाइश वाले इलाके धारावी में स्थितियां कैसे नियंत्रण में रहीं। इस साल जब कोरोना की दूसरी लहर की मार से समूचा देश तबाह है, हर रोज संक्रमितों और मरने वालों की तादाद देश सहित समूची दुनिया के लिए चिंता का मामला बना हुआ है, धारावी ने एक बार फिर यह साबित किया है कि अगर सुचिंतित तरीके से हौसले के साथ हालात का सामना किया जाए तो सबसे मुश्किल चुनौती से भी पार पाया जा सकता है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अप्रैल में जहां एक दिन में धारावी में कोविड-19 के मामले करीब सौ तक पहुंच गए थे, वहीं अब पिछले कुछ दिनों से वहां संक्रमण के महज पांच या इससे भी कम नए मामले सामने आ रहे हैं। जबकि मुंबई में यह आंकड़ा अब भी रोज हजारों में है। इसके अलावा, इलाज करा रहे मरीजों की संख्या घट कर पचास हो गई है। हालांकि धारावी के बारे में आया ताजा आकलन कोई अचानक पैदा हुई परिस्थिति का नतीजा नहीं हैं। इससे पहले जब कोरोना विषाणु शुरुआती दौर में ही देश भर में कहर बरपा रहा था, तब भी धारावी के निवासियों ने इस महामारी से निपटने के मामले में एक शानदार मिसाल सामने रखी थी। मुंबई में काफी दूर तक फैला और भीड़-भाड़ वाला झुग्गियों का यह कस्बा देश के उन इलाकों में शामिल था, जिन पर पिछले साल कोविड-19 का बहुत ज्यादा कहर बरपा था। लेकिन आज अगर चुनौतियों के बीच धारावी पर सबकी नजर है, तो इसकी वजहें रही हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अधिकारियों का कहना है कि 'धारावी मॉडल' और टीकाकरण अभियान ने इलाके में दूसरी लहर को कामयाबी के साथ रोकने में मदद की। सही है कि टीकाकरण का इसमें एक अहम योगदान रहा, लेकिन इस इलाके के लोगों और प्रशासन ने इस महामारी का सामना करने के लिए जिस स्वरूप में लड़ाई की, उसने सबसे ज्यादा बड़ी भूमिका निभाई। यही वजह है कि आज उस स्वरूप को 'धारावी मॉडल' के नाम से जाना जाने लगा है। साफ है कि पहले दौर में जिस तरह की सावधानियां बरती गईं और उसमें निरंतरता कायम रखी गई, उसी का यह हासिल है कि दूसरी लहर में भी यह अहम फर्क दर्ज किया गया।दरअसल, आज भले ही टीकों के रूप में कोरोना पर काबू पाने की एक उम्मीद सबके सामने है, लेकिन शुरू में सबके लिए चिंता की बात यही थी कि जिस घातक बीमारी की कोई दवा नहीं है और जिसके संक्रमण का खतरा व्यापक है, उससे कैसे लड़ा जाएगा। ऐसे में संक्रमण से बचाव ही अकेला रास्ता था और इसके लिए कई स्तरों पर काम किया जा रहा था। लेकिन धारावी में यह चुनौती ज्यादा गहरी थी क्योंकि बेहद घनी बस्ती वाले इलाके की आबादी और उसका घनत्व संक्रमण से लिहाज से बेहद खतरनाक है। ऐसे में प्रशासन ने एक व्यापक और सुचिंतित योजना के तहत चार 'टी' यानी ट्रेसिंग, ट्रैकिंग, टेस्टिंग और ट्रीटिंग के फार्मूले पर काम किया और इसमें वहां के निवासियों ने भी भरपूर साथ दिया। जब विषाणु का प्रसार धीमा पड़ा था, तब भी वहां जांच और मामलों का पता लगाने का काम जारी रहा।

चौधरी चरण सिंह नाम नहीं एक सोच है...

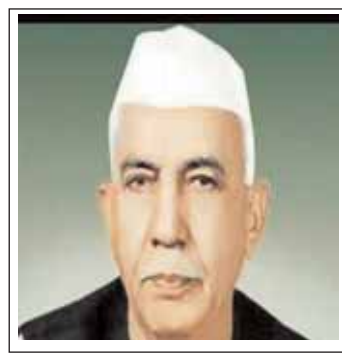

चौधरी चरण सिंह भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं खाँटी किसान नेता का ही नाम नहीं है वह एक विचारधारा हैं जो आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितना पहले थे।

चरण सिंह का जन्म एक जाट परिवार मे हुआ था। बाबूगढ़ छावनी के निकट नूरपुर गांव, तहसील हापुड़, जनपद गाजियाबाद, कमिश्नरी मेरठ में काली मिट्टी के अनगढ़ और फूस के छप्पर वाली मढ़ैया में 23 दिसम्बर,1902 को आपका जन्म हुआ। चौधरी चरण सिंह के पिता चौधरी मीर सिंह ने अपने नैतिक मूल्यों को विरासत में चरण सिंह को सौंपा था। चरण सिंह के जन्म के 6 वर्ष बाद चौधरी मीर सिंह सपरिवार नूरपुर से जानी खुर्द के पास भूपगढी आकर बस गये थे। यहीं के परिवेश में चौधरी चरण सिंह के नन्हें ह्दय में गांव-गरीब-किसान के शोषण के खिलाफ संघर्ष का बीजारोपण हुआ। आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर 1928 में चौधरी चरण सिंह ने ईमानदारी, साफगोई और कर्तव्यनिष्ठा पूर्वक गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। वकालत जैसे व्यावसायिक पेशे में भी चौधरी चरण सिंह उन्हीं मुकद्मों को स्वीकार करते थे जिनमें मुवक्किल का पक्ष न्यायपूर्ण होता था।

चरण सिंह की राजनीति में कोई दुराव या कोई कपट नहीं था, बल्कि जो उन्हें अच्छा लगता था, उसे वो ताल ठोक कर अच्छा कहते थे, और जो उन्हें बुरा लगता था, उसे कहने में उन्होंने कोई गुरेज़ भी नहीं किया। बताते हैं, %%उनका बहुत रौबीला व्यक्तित्व होता था, जिनके सामने लोगों की बोलने की हिम्मत नहीं पड़ती थी. उनके चेहरे पर हमेशा पुख़्तगी होती थी। हमेशा संजीदा गुफ़्तगू करते थे। बहुत कम मुस्कुराते थे। एकआध लोगों ने ही उन्हें कभी कहकहा लगाते हुए देखा होगा. वो उसूलों के पाबंद थे और बहुत साफ़-सुथरी राजनीति करते थे.%%।

बताते हैं, %%राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान वो महात्मा गाँधी और कांग्रेस की मिट्टी में तपे । 1937 से लेकर 1977 तक वो छपरौली - बागपत क्षेत्र से लगातार विधायक रहे। प्रधानमंत्री बनने के बावजूद कभी नहीं देखा गया कि उनके साथ किसी तरह का कोई लाव - लश्कर चलता हो।

वो मामूली सी एंबेसडर कार में चला करते थे। वो जहाज़ पर उड़ने के ख़िलाफ़ थे और प्रधानमंत्री होने के बावजूद लखनऊ ट्रेन से जाया करते थे। अगर घर में कोई अतिरिक्त बल्ब जला हुआ है तो वो डांटते थे कि इसे तुरंत बंद करो। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति के ऐसे व्यक्तित्व थे, जिन्होंने न्यूनतम लिया और अधिकतम दिया

चौधरी चरण सिंह से लोगों का रिश्ता दो तरह का हो सकता था । या तो आप उनसे नफ़रत कर सकते थे या असीम प्यार। बदले में आपको भी या तो बेहद गुस्सा मिलता था या अगाध स्नेह। उनका व्यवहार कांच की तरह पारदर्शी और ठेठ देहाती बुज़ुर्गों जैसा हुआ करता था।

चौधरी चरण सिंह के नाती और चरण सिंह अभिलेखागार का काम देख रहे हर्ष सिंह लोहित चरण सिंह की शख़्सियत के कुछ दूसरे पहलुओं पर रोशनी डालते हुए कहते हैं, %%कम लोगों को मालूम होगा कि वो संत कबीर के बड़े अनुयायी थे। कबीर के कितने ही दोहे उन्हें याद थे. वो धोती और देसी लिबास पहनते थे और एक पुरानी %एचएमटी% घड़ी बाँधते थे, वो भी उल्टी। वो सौ फ़ीसदी शाकाहारी थे। तंबाकू और सिगरेट के सेवन का कोई सवाल ही नहीं था.%%

%%अगर वो जानते हों कि आपका शराब से कोई ताल्लुक है तो आपकी और उनकी कभी बात हो नहीं सकती थी। कोई उनके घर आता था, वो अदब से उनको छोड़ने उनकी गाड़ी तक जाया करते थे और जब तक गाड़ी चल नहीं देती थी, वो वहीं खड़े रहते थे। कई बार तो ऐसा होता था कि कोई गाँव से आया हो, चाहे वो जानकार हो या नहीं, वो उसे अपनी गाड़ी से स्टेशन छुड़वाया करते थे। दिल्ली में वो तुगलक रोड पर रहा करते थे। चरण सिंह

लगातार 40 सालों कर कांग्रेस पार्टी का सदस्य रहने के बाद उन्होंने 1967 में पार्टी से इस्तीफ़ा दिया और एक साल बाद भारतीय क्रांति दल का गठन किया था।

%%बहुत पढ़े लिखे शख़्स थे चौधरी चरण सिंह. 1946 में वो संसदीय सचिव हो गए जिसका कि मंत्री का दर्ज़ा होता था। उसके बाद वो लगातार कैबिनेट मंत्री रहे। जब सुचेता कृपलानी मुख्यमंत्री हुईं तो उन्हें लगा कि शायद उन्हें पीछे छोड़ा जा रहा है। उसी वक़्त गैर-कांग्रेसवाद की राजनीति शुरू हुई। कांग्रेस के सी बी गुप्ता ने सरकार बना ली। उस वक्त सोचा गया कि अगर कांग्रेस का कोई नेता टूट कर आ जाए 10-12 विधायकों के साथ , तो एक गैर-कांग्रेसी सरकार बनाई जा सकती है.

जब इनसे स्थानीय विपक्षी नेताओं ने बात की तो उन्होंने कहा कि मुझे तुम पर विश्वास नहीं है।तुम अपने केंद्रीय नेताओं से मेरी बात कराओ।तब इनकी राम मनोहर लोहिया और अटल बिहारी वाजपेई से बात कराई गई। उन्होंने कहा चौधरी साहब आप हिम्मत करिए और कांग्रेस छोड़िए. हम आपको मुख्यमंत्री बनाएंगे.

जब 1 अप्रैल, 1967 को उन्होंने कांग्रेस छोड़ी तो उन्होंने रोते हुए भाषण दिया कि सारी उम्र उन्होंने कांग्रेस संस्कृति में बिताई है । अब उसे छोड़ते हुए उन्हें बहुत तकलीफ़ हो रही है। दो दिन बाद चौधरी साहब ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली और उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में पहली गैर कांग्रेस सरकार बनी जो अद्भुत सरकार थी, जिसमें जनसंघ भी थी, सोशलिस्ट भी थी, प्रजा सोशलिस्ट भी थी, कम्यूनिस्ट भी थे ।चरण सिंह 1977 में आपातकाल समाप्त होने के बाद जनता पार्टी के गठन में भी चरण सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही । उनके समर्थन से ही जगजीवन राम की जगह मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने। उस समय चौधरी साहब वेलिंगटन अस्पताल में भर्ती थे। जनता पार्टी के सभी सांसदों को जेपी ने गाँधी पीस फ़ाउंडेशन पर बुलाया ।वहाँ नेता चुने जाने के लिए पर्चियाँ डाली जाने वाली थीं। उस वक़्त एक खेल खेला गया जिसमें राज नारायण का इस्तेमाल किया गया। सांसदों से कहा गया कि अगर आपने मोरारजी देसाई का समर्थन नहीं किया तो जगजीवन राम प्रधानमंत्री बन जाएंगे। चौधरी साहब ने बाद में अपनी भूल को माना और जगजीवन राम से भी माफ़ी मांगी कि उनकी वजह से वो प्रधानमंत्री नहीं बन पाए।

लेकिन इन्हीं चरण सिंह की जनता पार्टी सरकार को तोड़ने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही। दो वर्ष से कम समय में ही केंद्र में गैर कांग्रेस सरकार का प्रयोग असफल हो गया और मोरारजी देसाई को अपने पद से इस्तीफ़ा देना पड़ा।

पूर्व क़ानून मंत्री शाँति भूषण अपनी आत्मकथा %कोर्टिंग डेस्टेनी% में चरण सिंह और मोरारजी देसाई के संबंधों की तल्ख़ी का बयान कुछ इस तरह करते हैं, %%1978 आते आते इस अपवाह ने ज़ोर पकड़ लिया कि चरण सिंह सरकार का तख़्ता पलटने वाले हैं। उन्हीं दिनों चुनाव सुधार पर एक मंत्रिमंडलीय समिति का गठन किया गया था %%इस समिति की बैठक ठीक 11 बजे हुआ करती थी। एक दिन चरण सिंह इस बैठक में देर से पहुंचे और सब को अपना इंतज़ार करते देख बहुत शर्मिंदा हुए। फिर वो बताने लगे कि उन्हें देर क्यों हुई। जब वो कार में बैठ रहे थे तो एक पत्रकार ने सवाल पूछ लिया कि क्या आप प्रधानमंत्री बनने के लिए बहुत तत्पर हैं? इस पर चरण सिंह को गुस्सा आ गया और वो बोले कि प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखने में क्या बुराई है.%%उल्टा उन्होंने उस पत्रकार से ही सवाल कर डाला कि क्या तुम एक अच्छे अख़बार के संपादक बनना नहीं पसंद करोगे? और अगर तुम ऐसा नहीं सोचते तो तुम्हारा जीवन निरर्थक है. फिर उन्होंने उस पत्रकार से कहा कि मैं एक दिन इस देश के प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा ज़रूर रखता हूँ। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि मैं मोरारजी देसाई को उनके पद से हटाने के लिए षडयंत्र कर रहा हूँ। चरण सिंह यहाँ पर ही नहीं रुके और बोले एक दिन मोरारजी देसाई मरेंगे और तब मैं प्रधानमंत्री बन जाऊं तो इसमें बुराई क्या है।

किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह को उनकी पुण्यतिथि पर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ।

भवदीय

धर्म-कर्म

शरद पूर्णिमा पर क्यों खाई जाती है खीर

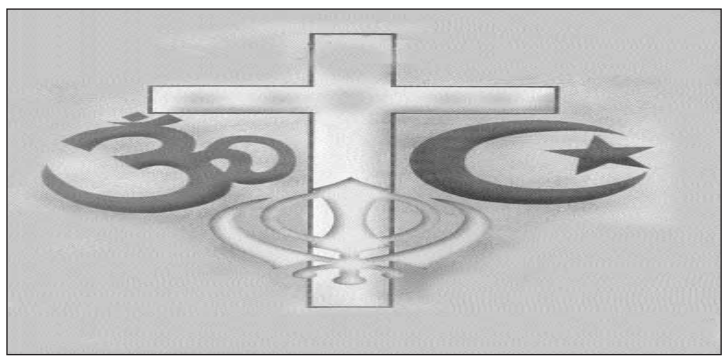

शरद पूर्णिमा आश्विन मास की पूर्णिमा को पड़ती है। अश्विन मास की पूर्णिमा इसलिए भी खास मानी जाते हैं क्योंकि इसमें चावल वाली खीर खाने की पौराणिक मान्यता है। पौराणिक मान्यता के मुताबिक भगवान विष्णु अपने चार महीने के शयन के अंतिम चरण में होते हैं। शास्त्रीय मान्यता के मुताबिक शरद पूर्णिमा की रात का चाँद कुल 16 कलाओं से सुसज्जित होकर चाँदनी और शीतलता प्रदान करता है। इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि शरद पूर्णिमा की रात में चंद्रमा से अमृत की वर्षा होती है। ऐसे में जो इस पूर्णिमा की चाँदनी रात में चावल की खीर बनाकर खुले में रखता है तो वह खीर अमृत-युक्त हो जाती है और औषधि का काम करता है। इस औषधी वाली खीर का सेवन करने से शरीर के कई रोग खत्म हो जाते हैं।

शरद पूर्णिमा ब्रज क्षेत्र में रास पूर्णिमा के रूप में भी जाना जाता है। मान्यता है कि शरद पूर्णिमा के दिन भगवान कृष्ण ने गोपियों के साथ महा रास किया था। शरद पूर्णिमा की रात को कृष्ण की बांसुरी के दिव्य संगीत को सुनकर, वृंदावन की गोपियां रात भर कृष्ण के साथ नृत्य करने के लिए अपने घरों और परिवारों से दूर जंगल में छिप गई थीं। भगवान श्रीकृष्ण सभी गोपियों का साथ देने के लिए बहुत सारे कृष्ण की रचना की। ऐसा माना जाता है कि ब्रह्मा द्वारा रचे गए एक रात की जो लंबाई थी उसे बड़ा किया था जो कि अरबों वर्षों में कभी नहीं हुआ था।

शरद पूर्णिमा को कई स्थानों पर कोजागरा (लक्ष्मी पूजा) कौमुदी व्रत के रूप में भी मनाया जाता है। कोजागरा मिथिलांचल का पारंपरिक पर्व है। इस पर्व में नवविवाहित पुरुषों को उसके ससुराल पक्ष से मखान (मखाना), पान सहित कई प्रकार की मिठाइयां भेजी जाती हैं।

शरद पूर्णिमा मुहूर्त हिंदी पंचांग के अनुसार शरद पूर्णिमा का व्रत आश्विन मास की पूर्णिमा को के दिन रखे जाने की परंपरा है। आश्विन पूर्णिमा इस बार यह 13 अक्तूबर (रविवार) को पड़ रही है। पूर्णिमा तिथि का आरंभ 13 अक्टूबर की रात 12 बजकर 36 मिनट पर हो रहा है। जबकि पूर्णिमा तिथि का समापन 14 अक्टूबर को सुबह 2 बजकर 38 मिनट पर होगा। इसलिए खीर खाने के लिए यह समय सबसे उपयुक्त माना जा रहा है।

बचाना होगा छोटे उद्योगों को

रूस में लगभग छत्तीस हजार और अमेरिका में करीब बीस हजार गांव-शहर हैं। भारत में नगरों की बात छोड़ दें, तो अकेले गांवों की संख्या ही छह लाख से ज्यादा है। इसीलिए कहते हैं कि भारत गांवों में बसता है। भारत गांवों और खेती-किसानी का देश है और यही बात भारत को शेष विश्व से अलग करती है। कुछ सिद्धांत सनातन होने के कारण अपरिवर्तनीय होते हैं और कुछ काल, स्थान, खंड, परिवेश, परिस्थिति और पारिस्थितिकी के अनुसार परिवर्तनशील होते हैं। इसलिए जो सिद्धांत पूरे संसार में लागू होते हैं, वे ग्राम्य संख्या और जनसंख्या घनत्व के आधार पर भारत पर भी लागू हों, यह कहना उचित नहीं होगा। जब हम भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास की चर्चा करते हैं, तो गुलाम मानसिकता के कारण तुरंत पश्चिम के विकास मॉडल की ओर ताकने लगते हैं, जिसे भारत में नेहरूवियन मॉडल कहा जाता है। यह कतई आवश्यक नहीं है कि विकास का जो सिद्धांत यूरोप और अमेरिका में सफल कहा जाता है, वह भारत पर भी लागू हो सकता है। हालांकि पश्चिम में अब तक भी यह चर्चा जारी है कि विकास का जो मॉडल वहां अपनाया है, वह मॉडल क्या सचमुच प्रकृति के सभी अर्थों में सफल भी है या नहीं। यूरोप और अमेरिका के विकास में सर्वजन की भागीदारी पर प्रश्नचिन्ह होने के कारण अंतर्द्वंद्व और अंतर्कलह निरंतर हैं। फिर भी उस मॉडल को यदि सफल मान लिया जाए, तो भी यह विचारणीय है कि भारत के संदर्भ में उसकी उपादेयता है या नहीं।

भारत के विकास के साथ यहां के 6.38 लाख गांवों के लगभग अस्सी करोड़ लोगों के जीवन-यापन का प्रश्न जुड़ा है। यूरोप में यांत्रिकीकरण का सिद्धांत उचित जान पड़ता है। वहां प्रति व्यक्ति संसाधन अधिक हैं और काम करने वाले हाथ कम हैं। इसलिए मशीनों की सहायता से अधिकाधिक उत्पादन कर श्रम लागत कम रखना उनका उद्देश्य हो सकता है। किंतु पहले तो बड़े कारखानों को बढ़ावा देना और फिर श्रम लागत कम करने के लिए मशीनीकरण को श्रेयस्कर मानना भारतीयों के लिए बड़ी भूल सिद्ध हुई है। इससे बेरोजगारी बढ़ी है। पश्चिमी सोच वाली नीतियों का ही परिणाम है कि आज भारत में खेती-किसानी घाटे का स्थापित सत्य हो गई है। खेतिहार मजदूर, किसान अब कृषि छोड़ बड़े शहरों में मजदूरी करने जाते हैं। कारण कि पश्चिम के विकास मॉडल के चलते हमारी कृषि आत्महत्या की खेती हो गई है। पश्चिम के इसी मॉडल के चलते बेतरतीब शहरीकरण की समस्या भी बढ़ी है।

दुनिया की दूसरी सर्वाधिक बड़ी जनसंख्या वाले भारत में विशालकाय अर्थव्यवस्था पर बहुत ध्यान दिया जाता है। उसके महत्त्व को भी कम करके नहीं आंका जा सकता। किंतु सबसे पहले सूक्ष्म अर्थव्यवस्था सुधारने की आवश्यकता है, जिसका सीधा संबंध बाजार खंड और उससे जुड़े आमजन से होता है। सूक्ष्म अर्थव्यवस्था का सपाट अर्थ है कि विभिन्न बाजार खंडों के उद्योग-धंधों के माध्यम से व्यक्तियों को जोड़ कर रोजगार और स्वरोजगार का सृजन करना। जब देश की सूक्ष्म अर्थ व्यवस्था सुदृढ़ हो जाएगी, तो विशाल अर्थव्यवस्था के मौद्रिक नीति, जीडीपी, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, गरीबी आदि बिंदुओं का समेकित आकलन और व्यवस्था अपने आप ही सहज और सरल हो जाएगी। भारतीय समृद्धि का आधार हमारे कुटीर और ग्रामोद्योग ही हो सकते हैं। महात्मा गांधी कहते थे, 'अगर गांव नष्ट हो जाएं, तो हिंदुस्तान भी नष्ट हो जाएगा। आज शहर गांवों की सारी संपत्ति खरीद लेते हैं। इससे गांवों का नाश हो रहा है। ग्रामीण कर्ज के बोझ से दबे हैं। मैं जिस देहात की कल्पना करता हूं, वह देहात जड़ नहीं होगा। वह शुद्ध चैतन्य होगा।'

अंग्रेजों से पहले तक कुटीर उद्योगों के बूते भारत सोने की चिड़िया कहलाता था और भारत की साख आज के वाशिंगटन, मास्को, लंदन और पेरिस से कहीं ज्यादा थी। तब विदेशी भारत के विकास की गौरवगाथाएं सुन कर खिंचे चले आते थे। कुटीर उद्योगों पर सबसे बड़ा प्रहार अंग्रेजों के समय में ही हुआ। ईस्ट इंडिया कंपनी ने कपड़ा, चाय यहां तक कि नमक जैसी चीजों पर अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया था। उस समय भारतीयों को नमक बनाने का भी अधिकार नहीं था और इंग्लैंड से आने वाले नमक के लिए भारतीयों को कई गुना अधिक कीमत चुकानी पड़ती थी। तब 1930 में गांधी जी को नमक आंदोलन भी करना पड़ा था। अंग्रेज अपने हित के लिए बड़े कारखानों की संकल्पना लेकर आए, जिसमें कपड़ों की बड़ी मिलें लगाई गईं और जूतों के बड़े कारखाने लगाए गए। इससे हमारे शताब्दियों से चले आ रहे कपड़े और जूते जैसे व्यवसाय ठप हो गए।

अब जो हाल है, उसमें परिवार बढ़ने से जमीनों का बंटवारा हो गया और एक एकड़ से भी कम जमीन के किसानों की संख्या बढ़ गई है।

बात पते की

उदारता वह है जितना आप कर सकते हैं उससे ज्याद करें और यह गर्व है कि जितनी आपको जरूरत है उससे कम ले।

जिंदगी की उलझनों ने मेरी शरारतें कम कर दी और लोगों ने समझा कि मैं समझदार हो गया।

राशिफल

मेष: पार्टी-पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रतिद्वंद्वी शांत रहेंगे। विवाद न करें।

वृष: दु:खद समाचार मिल सकता है। विवेक से कार्य करें। लाभ होगा। जोखिम न उठाएं। विवाद से बचें। चिंता रहेगी।

मिथुन: थोड़े प्रयास से अधिक लाभ होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। परिश्रम अधिक होगा। चिंता रहेगी। जोखिम न उठाएं।

कर्क: कई स्रोतों से धनलाभ संभव है। घर-परिवार की चिंता रहेगी। भागदौड़ अधिक होगी। आज परिवार से भरपूर सहयोग मिलेगा।

सिंह : रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा-निवेश मनोनुकूल रहेंगे। पुरानी व्याधि से कष्ट होगा। चिंता रहेगी।आमदनी बढ़ने के आसार हैं, कार्य क्षेत्र में लाभ होगा।

कन्या: विवाद से बचें। क्लेश संभव है। फालतू खर्च होगा। चोरी आदि से हानि संभव है। अपरिचित पर विश्वास न करें।

तुला: गृहस्थ सुख मिलेगा। शरीर कष्ट संभव है। रुका हुआ धन मिलेगा। चोरी-विवाद आदि से हानि संभव है।

वृश्चिक: भय व चिंता रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। सावधानी आवश्यक है।

धनु: धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। बाहरी सहायता से कार्य होंगे। निवेश आदि मनोनुकूल रहेंगे। भय व चिंता रहेंगे। विरोध होगा।

मकर: वाहन-मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। जोखिम न लें। अपरिचितों पर अतिविश्वास हानि देगा।

कुंभ: जीवनसाथी की चिंता रहेगी। दुष्ट व्यक्ति हानि पहुंचा सकते हैं, सतर्कना रखें। निवेशादि लाभ देंगे।

मीन: रोग, चिंता व तनाव हावी रहेंगे। शत्रु परास्त होंगे। संपत्ति के सौदे लाभ देंगे। निवेश आदि लाभ देंगे।

बच्चों की कहानी

निक्की भी घर की दारोगा

वह अब भी वैसे का वैसा रखा पाज कहां हैं आप?' निक्की की आवाज पाते ही पापा हड़बड़ा गए। पांच मिनट पहले निक्की ने चाय का कप लाकर उनकी मेज पर रखा था। वह अब भी वैसे का वैसा रखा था। पापा की आदत ऐसी थी कि काम में उलझते तो होश न रहता। पर निक्की भी घर की दारोगा है। उसके रहते कुछ भी गड़बड़ नहीं हो सकती। घर में उसका सब पर रोब चलता है। मजाल है किसी की, जो कमरे का पंखा चलता छोड़ दे, गीजर बंद करना भूल जाए, ऊंची आवाज में टीवी चला ले। कब खाना खाया जाएगा, कब पढ़ाई होगी, कब टीवी देखा जाएगा यह सब निक्की ही तय करती है। दादी की शह पर उसके हौंसले और बढ़े हुए हैं। घरवाले उसे हिटलर कहते हैं।

जब तक निक्की कमरे में आती, पापा लंबे घूंट से चाय का कप खाली कर चुके थे।

'मैंज मैं चाय पी चुका, ठंडी होने से पहले, सचमुच', पापा हड़बड़ाते हुए बोले।

'हूंज', निक्की ने सिर हिलाया, 'पर मैं तो दूसरी शिकायत लेकर आई थी?'

'दूसरी? कौन-सी?' पापा हैरानी से बोले।

'वॉशबेसिन का टैप किसने खुला छोड़ दिया था?'

पापा लैपटॉप पर नजर गड़ाए-गड़ाए थक जाते थे। उनकी आदत थी कि बीच-बीच में उठ कर ठंडे पानी से आंखें धो लिया करते थे।

'नहीं-नहीं, मैंने तो बंद कर दिया था। कोई और रहा होगा। रजत होगा। चाहे पूछ कर देख लो। सच कह रहा हूं।' पापा अटक-अटक कर बोले।

'और कोई नहीं, सिर्फ आप थे। आपने बंद जरूर किया था, मगर पूरी तरह से नहीं।'

'पर यह तो बहुत छोटी-सी गलती है। इसके लिएज' पापा ने कहा।

'छोटी-सी गलती?' इससे पहले कि पापा बात पूरी करते निक्की शुरू हो गई। 'आपको पता है कि पानी हमारे जीवन के लिए कितना महत्त्वपूर्ण है? भले हमारी धरती का दो तिहाई हिस्सा पानी से ढका है, पर उस दो तिहाई हिस्से में पीने योग्य पानी का प्रतिशत सिर्फ ढाई है। बाकी पानी खारा है, जो हमारे किसी काम का नहीं। इस ढाई प्रतिशत में भी सिर्फ एक प्रतिशत पानी तरल रूप में है, बाकी ग्लेशियरों में जमा है। आपको पता है कि पानी की बर्बादी करके आप आने वाली पीढ़ियों के लिए कितना गलत कर रहे हैं?'

पापा ने हाथ जोड़ लिए, 'ठीक है, आगे से ऐसा नहीं होगा।'

निक्की लौटी तो लॉबी में बैठे चाचा अखबार पढ़ रहे थे। लॉबी में ट्यूब लाइट जल रही थी। निक्की ने आगे बढ़ कर लाइट बंद कर दी। चाचा नाराज होते हुए बोले, 'निक्कीज मैं पढ़ रहा हूं न?'

'तो पढ़ने के लिए दिन में लाइट जलाने की जरूरत पड़ती है क्या?' कहते हुए निक्की ने खिड़की के परदे हटा दिए।

चाचा की नाराजगी का गुब्बारा फुस्स हो गया। वे झेंपते हुए बोले, 'सॉरीज'

तभी उन दोनों की बातचीत सुन कर मम्मी वहां आ गईं। निक्की ने मम्मी की ओर देखते हुए शिकायती लहजे में टोका, 'मम्मी आप शायद कुछ भूल रही हैंज!'

'उफज' मम्मी उल्टे पैरों वापस दौड़ीं। उन्होंने कमरे का पंखा चलता छोड़ दिया था।

'ओफ्फोह! आप लोगों को समझ में क्यों नहीं आता है कि बिजली बचाना कितना जरूरी है।

नोएडा ने जेवर स्वास्थ्य केन्द्र को दिए ऑक्सीजन कंस्ट्रेटर

जय हिन्द संवाद

ग्रेटर नोएडा। ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत करने के लिए की गई विधायक धीरेन्द्र सिंह की पहल रंग लाने लगी है। अब नोएडा प्राधिकरण की ओर से भी तीसरी लहर को देखते हुए जेवर स्वास्थ्य केन्द्र को ऑक्सीजन कंस्ट्रेटर दिए गए है।

जेवर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बिलासपुर व रबूपुरा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को शुरू कराने के बाद जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने जहांगीरपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को भी मरीजों की सेवा के लिए शुरू करा दिया गया है।

नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने भी जेवर विधानसभा के अंतर्गत आने वाले सभी स्वास्थ्य केंद्रों के लिए 20 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध कराएं।

इस मौके पर जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि जेवर विधानसभा के अंतर्गत आने वाले सभी स्वास्थ्य केंद्रों को दुरुस्त कराया जा रहा है, जिससे आने वाले समय में ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ सेवाओं को लेकर किसी भी व्यक्ति को कोई परेशानी न हो।

इससे पहले जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने ग्राम जौनचाना में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया और मरीजों के उपचार हेतु उपरोक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शीघ्र शुरू कराया जाएगा। जेवर विधानसभा के प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र के लिए नोएडा अप्रैरल एक्सपोर्ट कलेक्टर के अध्यक्ष ललित ठुकराल ने सभी उपकरणों से सुसज्जित एक एंबुलेंस कार यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण को जेवर विधानसभा के प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र के लिए उपलब्ध कराईए जो मरीजों को निशुल्क सेवा देगी।

आईएमएस में महिला सुरक्षा पर वेबिनार

नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा ने डिजिटल स्पेस में महिलाओं की सुरक्षा विषय पर वेबिनार का आयोजन किया। शुक्रवार को आयोजित इस ऑनलाइन कार्यक्रम में बतौर वक्ता विप्रो के हेड कास्ट ऑफ डिलिवरी अशोक कुमार सांगवान ने अपने विचार प्रकट किए। वहीं कार्यक्रम के दौरान आईएमएस की निदेशिका डॉ. कुलनीत सूरी के साथ संस्थान के स्टाफ एवं फैकल्टी ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। वहीं आज के कार्यक्रम का सफल संचालन संस्थान की एचआर स्मिता कुमारी के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए डॉ. कुलनीत सूरी ने कहा कि हमें इस विषय पर ज्यादा से ज्यादा जागरूक होने की जरूरत है। खास कर महिलाओं को विशेष रूप से अपनी डेटा सुरक्षा को लेकर जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे देश में साइबर कानून को और अधिक मजबूत और सुरक्षित बनाने की भी जरूरत है जिससे दोषी को सजा मिल सके। वहीं उन्होंने कहा कि यह हम सबों की भी जिम्मेदारी बनती है कि साइबर लॉ का पालन करते हुए कानून की मदद करें। वहीं कार्यक्रम के दौरान अशोक कुमार सांगवान ने कहा कि आज हम सभी स्मार्ट फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। हम कई बार एप्लीकेशन के विश्वसनीयता को जांचे बिना उसे फोटो, कॉन्टैक्ट आदि एक्सेस दे देते हैं। कई बार ऐसा भी देखने को मिलता है कि एक एप्लीकेशन को डाउनलोड करते हुए हिडेन एप्लीकेशन भी डाउनलोड हो जाते हैं।

यूफ्लैक्स में कर्मचारियों का कार्यस्थल पर वैक्सीनेशन

जय हिन्द संवाद

नोएडा। नोएडा में संभवतः यूफ्लेक्स पहली कंपनी है जिसने कंपनी परिसर में ही वैक्सीनेशन शुरू कराया है ताकि उनके कर्मचारियों को कोरोना से बचाया जा सके।

कंपनी के प्रिसिडेंट लिगल दिनेश जैन ने बताया कि कंपनी ने कैलाश हॉस्पिटल नोएडा के साथ मिलकर अपने विभिन्न यूनिट्स में कार्यरत लगभग 6000 कर्मचारियों को कोविड-49 वैक्सीनेशन का मुफ्त में आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सरकारी निर्देशनुसार का पालन करते हुए सभी कर्मचारियों को यह सुविधा दी जा रही है इसके अंतर्गत स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पूर्ण रुप से पालन किया जाएगा। कर्मचारियों का पंजीकरण, फिजिकल और आईटी इन्फ्रट्रक्चर उपलब्ध करना, वैक्सीनेशन रूम, वेटिंग रूम तथा ऑब्जरवेशन रूम की व्यवस्था करना, नोडल ऑफिसर की निगरानी में सभी कर्मचारियों की देखभाल करना। कैलाश हॉस्पिटल की प्रशिक्षित डॉक्टरों की टीम द्वारा वैक्सीनेशन किया जाएगा। एनाफीलैसिस किट तथा कोविड-49 वैक्सीन को श्री जैन ने उपयुक्त वातावरण में रखने की सुविधा, एंबुलेंस और डॉक्टरों की निगरानी में पूरा वैक्सीन कार्यक्रम का आयोजन कार्यस्थल पर किया जाएगा। यह वैक्सीनेशन की सुविधा सभी कर्मचारियों को मुफ्त में दी जाएगी तथा इसका सारा खर्चा कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। वैक्सीनेशन की मुहिम 29 मई से प्रारंभ होकर 5 जून तक कंपनी की विभिन्न इकाइयों में चलाई जाएगी जैसे ए-108 सेक्टर-4 नोएडा, ए-1 सेक्टर-60 नोएडा, ए-2 सेक्टर-60 नोएडा तथा सी 3-8 सेक्टर 57 नोएडा। हमारा अनुमान है कि इन 6 दिनों में कंपनी के लगभग 6000 कर्मचारियों को वैक्सीनेट (टीकाकरण) कर दिया जाएगा।

स्कूल फीस और बिजली बिल माफ हो: रामकुमार तंवर

जय हिन्द संवाद

नोएडा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओबीसी) प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी राम कुमार तंवर ने आमजन से जुड़ी समस्याओं को उठाया है। श्री तंवर ने प्रदेश के सीएम के नाम पत्र लिखकर प्रदेश सरकार से मांग की है कि क्षेत्र के सभी लोगों की महामारी के इस दौर में मदद करें।

उन्होंने मांग की है कि जब बच्चे स्कूल जा ही नहीं रहे और ऑनलाइन के नाम पर भी खानापूर्ति हो रही है उसके बावजूद भी अभिभावकों को पूरी स्कूल फीस जमा करनी पड़ रही है अगर अभिभावक स्कूल फीस जमा नहीं करते हैं। उनके बच्चों की ऑनलाइन क्लास बंद कर दी जाती हैं। स्कूल वाले अपने मनमाने ढंग से अभिभावकों से फीस वसूल रहे हैं। तत्काल प्रभाव से बंद होनी चाहिए। लॉकडाउन की वजह से वैसे ही लोगों ने अपने रोजगार व नौकरी खो दी हैं और भारी आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं ऐसे में रसोई गैस के दाम बढ़ाए जाने बढ़ाए जाने से बजट बिगड़ा है। आज घरेलू गैस सिलेंडर 800 से 1000 रुपए के बीच में मिल रहा है आर्थिक संकट होने की वजह से आम जनमानस इसको खरीदने में असमर्थ हो रहा है।

अपने परिवार को भी गैस पर पका कर खाना खिलाने में असमर्थ हो रहा है इसलिए हम यह मांग करते हैं कि लॉकडाउन के अंदर और जब तक इस कोरोना महामारी से हम पूर्ण रूप से काबू नहीं पा लेते तब तक सिलेंडर के रेट आधे किए जाएं और जो निहायती गरीब लोग हैं उन्हें मुक्त सरकार के द्वारा सिलेंडेर दिए जाएं। इसी तरह नोएडा में स्थानीय लोगों का अधिकतर मकान एवं दुकानों से आने वाले किराए से ही गुजारा होता है। इसी के द्वारा वह अपने परिवार का पालन पोषण करते है। इससे ही बच्चों को लिखता पढ़ाता है परंतु जब से लॉकडाउन और यह कहे कि पिछले एक डेड़ साल से जब से इस महामारी ने पैर पसारे हैं। तब से यहां के गांवों में किरयेदारी का व्यवसाय खत्म हो गया है। अब यहां के स्थानीय लोगों के सामने भी आर्थिक संकट पैदा हो गया है स्थानीय लोगों को अपने परिवार के लिए जरूरी सुख सुविधा मुहैया कराने में अनेकों कठिनाइयां आ रही है। जहां एक तरफ सभी मकान व दुकानें खाली हो गई है। जिन से किराया आता था आज किराए के नाम पर शून्य हो गया है। उसके बावजूद भी मकानों एवं दुकानों के बिजली के बिलों ने यहां के लोगों की कमर तोड़ के रख दी है बिजली विभाग द्वारा भेजे जा रहे बिलों से स्थानीय लोगों में बहुत रोष है,जहां आज खाने के लाले पड़े हैं वहां बिजली विभाग बढ़े हुए दरों से बिल भेज कर लो लोगों को परेशान करने का काम कर रही हैं।

मुंबई में पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर के पार

नई दिल्ली। देश की वाणिज्यिक राजधानी मुंबई में आज पेट्रोल का दाम 100 रुपये से ऊपर चला गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर और मध्य प्रदेश के भोपाल में तो यह पहले ही 100 के पार गया था। दरअसल, आज सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम में फिर बदलाव किया। इससे एक दिन पहले पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई फेरबदल नहीं हुआ था। आज डीजल की कीमत में जहां 26 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई, वहीं पेट्रोल के दाम हर लीटर पर 28 पैसे बढ़े। शनिवार को दिल्ली के बाजार में पेट्रोल 93.94 रुपये प्रति लीटर पर चला गया। डीजल भी 84.89 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। इससे पहले शुक्रवार को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने तेल की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं किया था, जिसकी वजह से मुंबई शहर में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये प्रति लीटर पहुंचने से पहले ही थम गई थी। हालांकि, जयपुर में पहले ही पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच चुका है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कई शहरों और शहरों में पेट्रोल की कीमत गुरुवार की कीमत वृद्धि से पहले ही 100 रुपये प्रति लीटर को पार है।

225 वां आर्य वेबिनार सम्पन्न

सच्ची शांति अंतर्मुखी होने में: योगाचार्य

जय हिन्द संवाद

गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में क्या हम सुख चाहते हैं पर गोष्ठी व 138 वीं वीर सावरकर जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि वीर सावरकर हिंदुत्ववादी महान विचारक व योद्धा थे,उनके आदर्शों को आज अपनाने की आवश्यकता है।जब तक समस्त हिन्दू समाज एक ओ3म् ध्वज के नीचे संगठित नहीं होगा तब तक समस्या का कोई हल नहीं निकलेगा।चाहे कश्मीर हो,बंगाल या केरल वहां के संदेश व घटनाक्रम को समझने व सोचने की जरूरत है अन्यथा बहुत देर हो जायेगी।उन्होंने कहा कि विश्व के इतिहास के सावरकर पहले व्यक्ति थे जिनको दो बार आजन्म कारावास की सजा सुनाई गई। वह राजनीति के हिन्दुकरण व हिंदुओ के सैनिकीकरण के पक्षधर थे। उनकी लिखी पुस्तक 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम छपने से पहले ही प्रतिबंधित हो गई थी।आज नई पीढ़ी को उनके संघर्ष पूर्ण जीवन को बतलाने की आवश्यकता है।

योगाचार्य प्रेम भाटिया ने कहा कि व्यक्ति सच में सुख शांति नहीं चाहता।यदि जीवन में सच्ची सुख शान्ति चाहते हो तो बुरी बातें, यादे भुला देनी चाहिए।उनका बोझ जब हम लेकर चलते हैं तो वह अशांति व दुख देती है।हमें अच्छी बातें याद रखनी चाहिए वो आनन्द दायक रहेंगी और जीवन आसानी से व्यतीत होगा। अध्यक्षता करते हुए आनन्द प्रकाश आर्य (प्रांतीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश) ने कहा कि आज व्यक्ति भौतिक जगत के सुखों की खोज में दौड़ रहा है लेकिन सच्चा सुख आध्यात्मिकता में है,उन्होंने आगे कहा कि कोरोना काल में ओ3म् की ध्वनि,गायत्री मंत्र का अर्थ सहित गायन,चिंतन करने से परमात्मा का अंतर्मन में साक्षात्कार सम्भव है।अत: प्रात: व सायं इसका अभ्यास करें।

उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि वीर सावरकर को यदि आज की युवा पीढ़ी अपना आदर्श बना ले तो कई प्रकार की समस्याएं स्वयं हल हो जायेंगी।उन्होंने कहा कि वीर सावरकर हिन्दू एकता व हिन्दू राष्ट्र निर्माण के प्रबल समर्थक थे। गायिका पुष्पा चुघ,दीप्ति सपरा, डॉ रचना चावला,मधु बेदी,ईश्वर देवी,जनक अरोड़ा, महेश आर्य, रजनी गोयल,प्रवीना ठक्कर, सुषमा बजाज,के एल मल्होत्रा, रवीन्द्र गुप्ता आदि ने मधुर गीत सुनाये।

प्रमुख रूप से देवेन्द्र भगत, सौरभ गुप्ता, वीरेन्द्र आहूजा, सुरेंद्र शास्त्री, उर्मिला आर्या,कमलेश हसीजा, ईश आर्य, विजय लक्ष्मी आदि उपस्थित थे।

थमेगा कोरोना का तूफान

विनोद शर्मा की कलम से

जिंदगी में यह भी
एक तूफान है
जो वक्त के साथ
हो जाएगा शांत,
समुद्री लहरों में उठे
तूफान से जूझते पेड़ों
को देख कर
समझ आयी
जिंदगी की सच्चाई
कैसे खड़ें है और
अस्तित्व के लिए अ? हैं ?
पथरीली जमीन पर,
खूब खाए झटकोले
पर तेज हवा डिगा नही पाई।
वे जीव जो रहते
जल में मगर बेखबर थे
अपने जीवन के इस चुनौतीपूर्ण दौर से
आज वे भी तो जूझते रहे घण्टों तक
इस विपदा से,
देखो कैसे उन्होंने
अपनी जान बचाई।
समुद्र से चलती है
जिनकी रोजी रोटी
वे भी समय और नजाकत देख रुके,
ठहरे और फिर से चल पड़े उस डगर जहां
जिंदगी मुस्कराई
क्यों हो हैरान
कोरोना की इस विपदा में,
वक्त के साथ बदलेगा नजारा
जब थमेगा तूफान और दिखेगी सूरज की
तरुणाई।

सोशल मीडिया पर विरोधाभाषी बुद्धिजीवी

निशिकांत ठाकुर

सामाजिक क्रांति के रूप में समाज में खास स्थान बना चुके सोशल मीडिया पर आज तरह—तरह की बातें की जाती हैं। कोई इसके पक्ष में बात करता है तो कोई कहता है— यह सामाजिक नीतियों के विरुद्ध काम करता है, जो भ्रम पैदा करके हमें आपस में बांटता है। अब इस विरोधाभासी तर्क—वितर्कों के बारे में क्या कहा जाए! आप किसके पक्ष में होंगे? दरअसल, यह संभव ही नहीं है कि आज कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया की नजर या यूं कहें कि प्रभाव से बचकर निकल जाए।

कहने को लोग चाहे जो कहें, लेकिन एक बड़ा सच यह है कि निश्चित रूप से सोशल मीडिया के आने से समाज में एक जागृति—सी आई है। लेकिन, सिक्के का दूसरा पहलू यह है कि इसके जरिये गंध भी इस कदर फैलाई जाती है जो समाज में आपसी विग्रह को पैदा करता है। अभी हाल ही में एक तथाकथित बड़े पत्रकार को सोशल मीडिया पर देखा, तो उन्हें सुनने का मन हुआ। वह हिन्दू-मुस्लिम की बात कर रहे थे। उन्होंने कहा— जो मैं बताने जा रहा हूं, उसे आप किसी अखबार—टेलीविजन पर न पढ़ेंगे और न ही देखेंगे। हिंदू-मुस्लिम झगड़े के तीन उदाहरण उन्होंने दिए, जिनमें एक में हिन्दू सदाशयता की बात थी, जबकि दो घटनाएं मुस्लिम विरोधी थीं। दुख हुआ कि आज भी हमारे वरिष्ठ पत्रकारों के मन में भी वही पुरानी बातें घर किए बैठी हैं जिनका उल्लेख हम अपने पिछले लेख में कर चुके हैं कि अंग्रेजों की सोच यह थी कि जब तक दोनों आपस में भिड़ते रहेंगे, हम उन पर राज्य करते रहेंगे। इसीलिए उन्होंने एक पक्ष को नीचा दिखाने का निश्चय किया और ऐसा करके वह अपने मकसद में सफल भी रहे। फिर वर्षों दोनों कौम को आपस में लड़ाकर हम भारतीयों को दबाकर न केवल रखा, बल्कि हमारे ऊपर राज्य भी करते रहे।

दरअसल, उन वरिष्ठ पत्रकार महोदय की बात से सहमत नहीं हो पा रहा हूं, क्योंकि यदि उन घटनाओं का उल्लेख अखबारों या टेलीविजन पर प्रकाशित या प्रचारित किया गया होता, तो निश्चित रूप से एक नहीं, कई बड़े दंगे देश में हो सकते थे। शायद पत्रकार महोदय ने इस बात पर ध्यान नहीं देकर अपने आकाओं को खुश करने के उद्देश्य से ऐसा न करने पर अखबारों और टेलीविजन चैनलों की आलोचना कर रहे थे। इसी के साथ अपनी वाहवाही कराने का कोई मौका भी नहीं गंवा रहे थे। धन्य हैं ऐसे लोग, जो केवल हितसाधन के लिए आकाओं को खुश करना चाहते हैं और देश को दंगे—फसाद की आग में झोंक देने से भी परहेज करना नहीं चाहते हैं।

मैंने कई बार अपने लेख में इस बात का उल्लेख किया है कि सभा—समारोह में जाकर उसका ब्योरा देना ही पत्रकारिता नहीं होता है। सामने दिखने वाले की अपेक्षा उसके पीछे के सत्य को खोजकर उसे उजागर करना ही सच्ची पत्रकारिता है। अनुभव, आलोचना-शक्ति, कल्पनाशक्ति, खोज और गुप्तचरी के साथ खतरों से भरा मार्ग अपनाकर पता न लगाया जाए तो भला उसे कैसी पत्रकारिता कहेंगे। इसके साथ ही यह भी बार—बार लिखता रहता हूं कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री ने रिश्वत ली या नहीं, इसका निर्णय इस देश के न्यायालय में नहीं होता है। साक्ष्य और कागजात के आधार पर भी नहीं होता है। इसका फैसला केवल जनता करती है, चुनाव में। यह कोई नई बात नहीं है, जिसे मैं बार—बार कहता रहा हूं। इस पेशे से जुड़े लगभग सभी इस बात को जानते हैं कि किस बात से समाज में सनसनी फैलेगी और किस बात से समाज दंगों की आग में झुलसने लगेगा, लेकिन लिखते समय वह इस बात को भूल जाते हैं कि उनकी इस एक पंक्ति का असर समाज या जनमानस पर क्या पड़ेगा। दूरदराज की तीन घटनाओं का जब वह सोशल मीडिया पर उल्लेख कर रहे थे और अपनी नाराजगी जता रहे थे, वह निश्चित रूप से उनकी लंबी पत्रकारिता जीवन पर एक धब्बा है। उस क्षेत्र के स्थानीय समाचार पत्र के संपादक इतने जागरूक होंगे जिन्होंने इस दूषित मानसिकता वाली खबर को आगे बढ़ने से रोक दिया। फिर हाईकोर्ट का जो निर्णय आया, उसे ही केवल सार्वजनिक किया। यह निश्चित रूप से एक अच्छी पत्रकारिता है।

यहां दो अंग्रेजों की बातचीत का हवाला देना चाहूंगा। वैसे इस बारे में मैंने अपने पिछले लेख में भी उल्लेख किया था, इस बार थोड़ा विस्तृत जानकारी देना चाहूंगा कि सर चार्ल्स लॉर्ड मेटकैफ और लॉर्ड मैकाले के बीच बातचीत हो रही थी। लॉर्ड मैकाले ने कहा— %इन काले, घिनौने और अंधविश्वासी भारतीयों के बीच रहना तो अत्यंत मुश्किल है। बेशक, खासकर तब जबकि आप न तो उनके देश की भाषा जानते हैं, न उनसे कोई सहानुभूति रखते हैं। सच तो यही है, लेकिन मुझे दो काम करने हैं -पहला यह कि मैं उनके लिए जो कानून बनाऊं, उसमें मुझे एक ही बात नजर में रखना पड़ेगा कि उनके द्वारा अंग्रेजी सरकार के हाथ मजबूत हों और सर्वसाधारण असहाय रह जाए। मेरा दूसरा काम यह होगा कि मैं कंपनी की सरकार को यह सलाह दूं और उसके सामने शिक्षा की ऐसी योजना पेश करूं जिससे भारतीयों को अंग्रेजी सिखाकर उनकी सहायता से अंग्रेज हिंदुस्तान पर हुकूमत करें। वह इसलिए, क्योंकि हिन्दुस्तानियों में राष्ट्रीय भावना पैदा ही न होने पाए। निस्संदेह यह एक बड़ा खतरा है, लेकिन मेरा दृष्टिकोण यह है कि अंग्रेज आसानी से भारत में चिरस्थायी रहे।% इस कार्य को अंजाम देने के लिए मैकाले ने तीस वर्ष का समय मांगा और उसने कहा कि तीस वर्ष के अंदर भारत में कोई मूर्ति पूजक नहीं बचेगा, सारे—के—सारे स्वयं ईसाई बन जाएंगे और भारत चिरकाल तक अंग्रजों का गुलाम बना रहेगा। भारत के लिए कितने दुर्भाग्यपूर्ण दिन थे जब ईस्ट इंडिया कंपनी के नाम पर अंग्रेजों ने हमारे मुल्क को लूट लिया, लेकिन किसी ने उन्हें चोर नहीं कहा। अमेरिका वाले जानलेवा दवाएं और लड़ाकू जहाज बेचकर सारी दुनिया का पैसा खींच रहा है, उसे कोई चोर नहीं कहता। बाजार में इलेक्ट्रानिक सामग्री और कार लाकर जापान पूरी दुनिया का पैसा अंदर—ही—अंदर चूस रहा है, पर उसे कोई.....।

इन उदाहरणों को पेश करने का तात्पर्य महज इतना है कि हम किसी बात को तिल का ताड़ क्यों बना देते हैं! यह ठीक है कि भारतीय संविधान और न्यायालय ने हमें लिखने-बोलने की आजादी दी है, लेकिन इसका यह मतलब तो कतई नहीं कि समाज के सीधे—सादे लोगों की मति को भ्रष्ट कर उसे कत्लेआम करने के लिए मजबूर कर दें। अंग्रेजी पढ़े—लिखे भारतीय लोग जब अपने को किसी के प्रति समर्पित कर देते हैं, निश्चित रूप से मन में समर्पण का भाव पैदा होता है और फिर वह दंगा—फसाद करने के आदि हो जाते हैं। यही तो अंग्रेजों की नीति थी जिसके लिए उन्होंने बड़ी बारीकी से ऐसे लोगों को नियुक्त किया जो हम भारतीयों की मति को भ्रष्ट कर सकें और उन अंग्रेजों के चिरस्थायी गुलाम बने रहें। जिस प्रकार भारत में वर्ष में कई मौसम बदलते हैं, उसी प्रकार पांच या दस वर्ष में सरकार भी बदलती है- फिर आप जैसे भक्तों का क्या हश्र होगा श्रीमान।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक हैं)।

सपाइयों ने मनाई चौधरी चरणसिंह की पुण्यतिथि

नोएडा। सलारपुर पार्टी कार्यालय में समाजवादी पार्टी (सपा) नेताओं और कार्यकर्ताओं ने किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह की पुण्यतिथि कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए मनाई। सपा के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता ने किसानों, मजदूरों और गरीबों की हर प्रकार मदद करने का संकल्प लिया।

सपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष रेशपाल अवाना ने बताया कि इस समय देश में काफी समय से किसान आंदोलन चल रहा है। इस बात पर अभी तक बहस चल रही है कि कोरोना काल में भी इसके जारी रहने का क्या औचित्य है। जब भी देश में किसानों को लेकर कोई आवाज उठती है तो उसके आंदोलन का रूप लेने से पहले ही चौधरी चरण सिंह का नाम आता है और आता रहता है। देश भारत के पांचवे प्रधानमंत्री के पुण्यतिथि के मौके पर उन्हें याद कर रहा है। वैसे तो चरण सिंह के राजनैतिक जीवन का जब जिक्र होता है तो आपातकाल के बाद के समय का होता है, लेकिन वे बहुत पहले ही किसानों की आवाज बन चुके थे। देश की आजादी के पहले ही वे जमीदारों के किसान मजूदरों के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाते रहे थे। वे किसानों कि समस्याएं सुन कर बहुत द्रवित हो जाया करते थे और कानून के ज्ञान का उपयोग वे किसानों की भलाई के करते दिखाई देते रहे थे। सपा प्रवक्ता विनोद कुमार (बिल्लू) ने बताया कि समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी के सभी जिला कार्यालयों में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि कोविड

वैक्सीनेशन

वैक्सीन के रख-रखाव में केरल नंबर-1

हेल्थ वर्कर्स की अच्छी ट्रेनिंग, हर डोज के इस्तेमाल का मॉडल, बेहतर मैनेजमेंट के कारण एक भी वैक्सीन बर्बाद नहीं की

सरकार ने बताया कि बच्चों में कोरोना के लक्षणों को कैसे पहचानें

यह है माइल्ड, मॉडरेट और गंभीर लक्षणों में अंतर

कोरोना की दूसरी लहर का पीक भले ही गुजर गया हो, खतरा अभी टला नहीं है। पिछले कुछ समय से बच्चों में कोरोना के केस बढ़ते जा रहे हैं। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार कोरोना पॉजिटिव मरीजों में 20 साल से कम उम्र वाले करीब 12त्न है। यह आंकड़ा धीरे-धीरे बढ़ ही रहा है। इस बीच भारत सरकार ने बच्चों में कोरोना के लक्षण, लक्षणों के आधार पर उनकी देखभाल और इलाज को लेकर गाइडलाइन जारी की है।

दुनियाभर के विशेषज्ञ कह रहे हैं कि कोरोना से बच्चों की सेहत को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। बड़ा प्रतिशत ऐसा है जिनमें कोई लक्षण नहीं दिखा है। पर कई बच्चे ऐसे भी हैं जिन्हें माइल्ड, मॉडरेट से लेकर गंभीर लक्षणों का सामना करना पड़ा। ऐसे में किस तरह के लक्षण सामने आने पर क्या किया जाना चाहिए, इस पर सरकार ने गाइडलाइन जारी की है। इसमें बताया है कि बच्चों में कोरोना के क्या-क्या लक्षण देखने को मिल रहे हैं? कब तक उनका इलाज घर पर ही किया जा सकता है और उनके माता-पिता को क्या-क्या सावधानियां बरतने की जरूरत है। सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन के मुताबिक आइए जानते हैं...

बच्चों में कौन-कौन से लक्षण हो सकते हैं?

1. ऐसे बच्चे जिन्हें, कोरोना का कोई लक्षण न हों।
2. ऐसे बच्चे जिनमें हल्के लक्षण हों। इनमें बुखार, खांसी, सांस लेने में परेशानी, थकान, बदन दर्द, नाक बहना, गले में खराश, दस्त, स्वाद और स्मेल नहीं आने की शिकायत रहती है।
3. ऐसे बच्चे जिनमें मॉडरेट या मध्यम लक्षण हों। माइल्ड लक्षण ही ज्यादा दिन तक या ज्यादा गंभीर लगें तो उसे मॉडरेट कैटेगरी में रख सकते हैं। कुछ बच्चों में पेट और आंत से जुड़ी परेशानियां भी हो सकती हैं।
4. ऐसे बच्चे जिनमें गंभीर लक्षण हों। कुछ बच्चों में मल्टी सिस्टम इन्फलेमेटरी सिंड्रोम नाम का सिंड्रोम भी देखा जा रहा है। इस सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों में लगातार 100 डिग्री से ज्यादा बुखार बना रहता है। ये सिंड्रोम स्त्रक्र-ष्टश्रङ्क-2 से संबंधित है।

दरअसल बच्चों में भी कोरोना के अलग-अलग लक्षण देखने में आ रहे हैं। बच्चों में कोरोना को समझने के लिए सबसे पहले हमें लक्षणों के आधार पर अलग-अलग कैटेगरी में उन्हें बांटना होगा। बच्चों में कोरोना के लक्षणों को सरकार ने तीन कैटेगरी- हल्के, मध्यम और गंभीर में बांटा है। इन्हीं लक्षणों के आधार पर इलाज भी अलग-अलग होगा।

हल्के लक्षण वाले बच्चों की देखभाल कैसे करें

घर पर ही बच्चे का ऑक्सीजन लेवल, बुखार जाचें। एक चार्ट बनाएं जिसमें बुखार आने का टाइम, बॉडी टेम्परेचर, दिन में कितनी बार बुखार आ रहा है जैसी चीजें नोट करें।

बुखार के लिए आप पैरासिटामॉल दे सकते हैं, गले की खराश और सर्दी के लिए कुनकुने पानी से गरारे करवाएं।

दस्त से पानी की कमी हो सकती है इसलिए पोषण के लिए नारियल पानी या फलों का जूस दें। ध्यान रहे कि अपनी मर्जी से कोई भी एंटीबायोटिक नहीं दें।

इस दौरान किसी तरह का टेस्ट कराने की जरूरत नहीं है।

मध्यम कोरोना लक्षण वाले बच्चे की देखभाल कैसे करें?

बच्चे को अब नजदीकी हॉस्पिटल में भर्ती कराना होगा।

बच्चों को लिक्विड डायट दें। छोटे बच्चों के लिए मां का दूध बेस्ट है। अगर बच्चा खाना नहीं खा रहा हो तो फ्यूएड थेरेपी भी शुरू की जा सकती है।

बुखार के लिए पैरासिटामॉल देते रहें।

बैक्टीरियल इंफेक्शन की पुष्टि होने पर एमोक्सिलिन दिया जा सकता है

ऑक्सीजन लेवल गिरने पर ऑक्सीजन की भी जरूरत होगी।

लक्षण एक जैसे बने रहें तो कॉर्टिकोस्टरोइड्स दिए जा सकते हैं।

सांस लेने में परेशानी होने पर ज्यादा हो जाता है ब्रीदिंग रेट

बच्चों में भी कोरोना के दौरान सांस लेने में परेशानी हो सकती है। इसलिए बच्चे जल्दी-जल्दी सांस लेने लगते हैं। एक मिनट में आप कितनी बार सांस लेते और छोड़ते हैं, उसे ब्रीदिंग रेट कहा जाता है। मान लिया जाए एक मिनट में आपने 50 बार सांस ली और छोड़ी तो आपका ब्रीदिंग रेट 50/मिनट होगा। नीचे टेबल में उम्र के हिसाब से बच्चों की सांस लेने की सामान्य से ज्यादा रेट को बताया गया है।

गंभीर बीमार बच्चों का इलाज कैसे होगा?

सीने का एक्स-रे, कंपलीट ब्लड काउंट, किडनी व लिवर फंक्शन की जांच

लिवर और किडनी में कोई इंफेक्शन नहीं होने पर रेमडेसिविर दिया जा सकता है

बच्चे के वजन के हिसाब से डोज

3.5 -4 किलो पहले दिन 5 एमजी, उसके बाद अगले 4 दिनों तक 2.5 एमजी

4-40 किलो पहले दिन 200 एमजी, उसके बाद अगले 4 दिनों तक 100 एमजी

हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन, फेविपिरावि, आइवरमेक्टिन की कोई जरूरत नहीं हैं।

बच्चों में मल्टी सिस्टम इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम के मामले भी देखने को मिले हैं, ये क्या होता है?

भोपाल के कैंसर अस्पताल में कोविड से जुड़ी सेवाएं दे रहीं डॉक्टर पूनम चंदानी कहती हैं- शरीर के अलग-अलग हिस्सों में जैसे- हार्ट, किडनी, लंग्स, आंखें, स्किन, ब्रेन में जो भी इंफेक्शन मिल रहा है, उन्हें मल्टी सिस्टम इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम कहा जाता है। इस बारे में अभी डॉक्टरों के पास ज्यादा जानकारी नहीं है, इसलिए इसे एक बीमारी घोषित नहीं कर सिंड्रोम कहा जा रहा है।

ये कैसे होता है?

मल्टी सिस्टम इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम कैसे होता है, इसकी भी कोई जानकारी नहीं है। अभी तक जितने भी मामले आए हैं, उनमें देखा गया है कि या तो बच्चे खुद कोरोना से संक्रमित हुए थे या किसी कोरोना संक्रमित के संपर्क में आए थे।

कोविड और मल्टी सिस्टम इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम में क्या कनेक्शन है?

अभी तक एक्सपर्ट्स के पास इन दोनों के आपस में कनेक्शन को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं है। देखा गया है कि कोरोना और मल्टी सिस्टम इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम दोनों के लक्षण एक जैसे हैं। इसलिए डॉक्टरों का कहना है कि कोरोना से बचने के लिए जो सावधानियां बरती जा रही हैं, वही सावधानी मल्टी सिस्टम इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम से बचने के लिए भी रखें। हैंड वॉश करते रहें। बच्चों तक पहुंच की चीजों को सैनेटाइज करते रहें। बच्चों को कोरोना संक्रमित मरीजों से दूर रखें। बच्चों के कपड़े और खिलौनों को रेगुलर धोएं। सबसे जरूरी है पेरेंट्स वैक्सीन लगवाएं। बच्चों के लिए अभी वैक्सीन नहीं आई है, इसलिए पेरेंट्स का वैक्सीन लगवा लेना ही बच्चों का सुरक्षा कवच है।

दो साल में बदला राजनीतिक समीकरण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली एनडीए सरकार के सात साल पूरा होने जा रहे हैं. जबकि मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का दूसरा साल 30 मई को पूरा होने जा रहा है. मोदी के केंद्र की सत्ता पर आसीन होते ही बीजेपी के अच्छे दिन आ गए और एक के बाद एक राज्य में पार्टी का सियासी ग्राफ बढ़ता चला गया. मौजूदा समय में बीजेपी देश के आधे से ज्यादा राज्यों में सरकार चला रही है या फिर सहयोगी दल के तौर पर सरकार में शामिल है.

लोकसभा चुनाव 2019 के बाद अब तक के देश में 10 राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए हैं, जिनमें से बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को केवल चार राज्यों में जीत मिली है. वहीं, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा है, लेकिन बीजेपी असम में सत्ता बचा पाई और पुडुचेरी में जीत की ओर कदम बढाया है और सरकार में सहयोगी दल बनी है।

मोदी के केंद्र की सत्ता में 2014 के आने के बाद एक-एक कर राज्य की सियासी जंग बीजेपी फतह करने में जुट गई. बीजेपी का सियासी उफान मार्च 2018 तक था, जब देश के 21 राज्यों में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए की सरकार थी. इस तरह से देश के 71 फीसदी आबादी और 80 फीसदी क्षेत्र पर बीजेपी या उसके सहयोगी दल काबिज थे. इसकी तुलना अक्सर इंदिरा गांधी के दौर से की जाती है, लेकिन अब संख्या घटकर 18 हो गई है. बीजेपी इन डेढ़ दर्जन राज्यों में अपने दम पर सरकार चला रही है या सहयोगी के तौर पर है.

साल 2019 में बीजेपी को लगा झटका : 2019 का साल चुनावी साल था. देश के आम चुनाव के साथ आंध्र प्रदेश, सिक्किम, ओडिशा और अरुणाचल प्रदेश में चुनाव हुए. बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में पिछली बार से ज्यादा सीटें जीतकर सबके हैरान कर दिया था, लेकिन राज्यों के चुनाव में उसे सिर्फ अरुणाचल में ही सत्ता मिली. 2019 के आखिर में हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव हुआ तो बीजेपी को बड़े झटके लगे।

महाराष्ट्र में शिवसेना अलग हो गई, चुनाव नतीजों के कई दिनों बाद तक राजनीतिक ड्रामा चला. बीजेपी की सरकार भी बनी, लेकिन दो दिन में गिर गई. अंततः शिवसेना-कांग्रेस-एनसीपी ने सरकार बना ली. वहीं, हरियाणा में बीजेपी बहुमत का आंकड़ा नहीं छू पाई, जिसके चलते दुष्यंत चौटाला की जेजेपी के साथ मिलकर सरकार बनाया. झारखंड में बीजेपी की करारी हार हुई और सत्ता गवांनी पड़ गई. हालांकि, साल 2018 में कर्नाटक की सत्ता बीजेपी ने गवां दी थी, लेकिन एक साल के बाद बीजेपी ने 'ऑपरेशन लोट्स' के जरिए उससे छीनने में कामयाब रही।

2021 में पूर्वोत्तर के दुर्ग सुरक्षित : इस साल कोरोना संकट के बीच देश के पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव हुए हैं, जिनमें केरल, असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी शामिल थे. बीजेपी ने इन पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा ताकत पश्चिम बंगाल में टीएमसी को मात देने में लगाया था, लेकिन ममता बनर्जी के हाथों से सत्ता नहीं छीन सकी. हालांकि, बीजेपी का सियासी ग्राफ बंगाल में बढ़ा है और पार्टी 3 सीटों से बढ़कर 74 पर पहुंच गई है. वहीं, असम में बीजेपी अपनी सत्ता बचाने में कामयाब रही तो पुडुचेरी में सहयोगी दल के तौर पर सरकार में शामिल है।

साल 2020 में हुए चुनाव नतीजे

साल 2020 की शुरुआत ही दिल्ली के विधानसभा चुनाव के साथ हुए. नागरिकता संशोधन एक्ट के खिलाफ जारी आंदोलन के साये में हुए दिल्ली में चुनाव में बीजेपी ने एड़ी चोटी का अपना जोर लगाने के बाद भी अरविंद केजरीवाल को मात नहीं दे सकी। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने दो तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाने में कामयाब रही, लेकिन 2015 के तुलना में बीजेपी 3 सीटों से बढ़कर 8 पर पहुंच गई। वहीं, बीजेपी ने 2018 में मध्य प्रदेश में अपनी सत्ता गवां दी थी, लेकिन 15 महीने के बाद भी शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में बीजेपी दोबारा से कांग्रेस के हाथों सत्ता छीनने में कामयाब रही, हालांकि, बीजेपी की सरकार बनवाने में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आए ज्योतिरादित्य सिंधिया की अहम भूमिका रही. इसके अलावा नंवबर 2020 में बिहार में विधानसभा चुनाव हुए, जहां बीजेपी के बदौलत एनडीए सत्ता बचाने में सफल रहा. बिहार में बीजेपी को 2015 से ज्यादा सीटें मिली जबकि जेडीयू को कम. इसके बाद भी बीजेपी ने सीएम की कुर्सी नीतीश कुमार को सौंप दी.

सात साल में 30 विधानसभा चुनाव

मई 2014 में नरेंद्र मोदी की अगुवाई में बीजेपी केंद्र सत्ता में आई. इसके बाद के अब तक 30 विधानसभा चुनाव हुए हैं, जिनमें से बीजेपी के अगुवाई वाली एनडीए ने 17 राज्यों में अपनी सरकारें बनाईं. मार्च 2018 में त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड में सरकार बनाकर एनडीए का सियासी ग्राफ 21 राज्यों में पहुंच गया था. यही बीजेपी और उसके गठबंधन एनडीए का पीक था। मार्च 2018 के बाद से बीजेपी का विजय रथ कर्नाटक से रुकना शुरू हुआ. कर्नाटक में मई 2018 में चुनाव हुए. भाजपा के येदियुरप्पा ने शपथ भी ले ली, लेकिन बहुमत नहीं होने की वजह से इस्तीफा देना पड़ा. हालांकि बाद में सरकार बनाने में सफल रही. ऐसे ही 2019 में महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस ने भी शपथ ले ली थी, लेकिन बाद में इस्तीफा देना पड़ा। वहीं, 2014 के बाद जिन राज्यों में बीजेपी की सरकारें रही है, उनमें गुजरात, गोवा, अरुणांचल, असम और बिहार में ही सरकार बची है जबकि बाकी राज्यों में उसे मात खानी पड़ी है. इसी तरह दिसंबर 2018 में जब मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विधानसभा चुनाव हुए, तो भाजपा के हाथ से ये तीनों राज्य फिसल गए. हालांकि, बाद में मध्य प्रदेश की सत्ता बीजेपी छीनने में कामयाब रही है. इस तरह से देश के आधे से ज्यादा राज्यों में अभी भी बीजेपी का सियासी वर्चस्व पूरी तरह से कायम है।

एशिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स की कहानी

एक साल में नेटवर्थ 64 हजार करोड़ से 5 लाख करोड़ कैसे हुई

गौतम अडाणी की संपत्ति इस साल हर घंटे 75 करोड़ रुपए बढ़ी

मुकेश अंबानी की संपत्ति अब अडाणी से करीब 60 हजार करोड़ रुपए ही ज्यादा

गौतम अडाणी पिछले हफ्ते एशिया के दूसरे सबसे सबसे अमीर शख्स बने। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक उन्होंने चीन के झोंग शैनशैन को पछाड़ा। 23 मई 2021 को अडाणी की कुल संपत्ति करीब 5.03 लाख करोड़ रुपए है। कोरोना संकट के बावजूद 2021 के 142 दिनों में अडाणी की संपत्ति में करीब 2.56 लाख करोड़ रुपए का उछाल रहा। यानी अडाणी ने इस साल हर घंटे 75 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाए। एक साल पहले यानी अप्रैल 2020 में गौतम अडाणी की नेटवर्थ 64.89 हजार करोड़ रुपए थी।

करीब 42 साल पहले अपने कारोबारी सफर की शुरुआत करने वाले गौतम अडाणी के कारोबार में पिछले 1 साल में इतना उछाल कैसे आया? अडाणी ग्रुप की कंपनियों की इस वैल्युएशन की वजह क्या है? ग्रुप ने इस ग्रोथ के लिए क्या स्ट्रैटजी अपनाई और इसे कैसे लागू किया? यहां इन सभी सवालों के जवाब देने के साथ हम अडाणी की जिंदगी का खाका भी पेश कर रहे हैं...

अडाणी ग्रुप की 6 लिस्टेड कंपनियों का नेटवर्थ एक साल में 6 गुना बढ़ा

गौतम अडाणी की नेटवर्थ में उछाल की सबसे बड़ी वजह अडाणी ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में बंपर तेजी रही। अडाणी ग्रुप की 6 कंपनियां बाजार में लिस्टेड हैं।

मई 2020 में इन कंपनियों का मार्केट कैप (शेयर बाजार में लिस्टेड शेयरों की वैल्यू) 1.45 लाख करोड़ था। जो अब बढ़कर करीब 8.37 लाख करोड़ पहुंच गया है। यानी पिछले एक साल में अडाणी ग्रुप की कंपनियों का मार्केट कैप करीब 6 गुना बढ़ा।

'नेशन बिल्डिंग' पर फोकस के साथ बढ़ाई कमाई

अडाणी ने ज्यादातर ऐसे कारोबार को चुना, जिसे सरकार बढ़ावा दे रही है और इनमें कंपिटीशन भी कम है। अडाणी 'नेशन बिल्डिंग' स्ट्रैटजी के तहत काम करते हैं। ये मोदी सरकार के विजन से भी मेल खाता है। अडाणी ने सितंबर में जेपी मॉर्गन इंडिया समिट में कहा था कि देश का फोकस बुनियादी ढांचा मजबूत करने पर है और हमारा लक्ष्य भी 'नेशन बिल्डिंग' का है। इसी लक्ष्य के साथ ग्रुप ने हजारों नौकरियां पैदा की हैं। मजबूत कारोबार के साथ अपने शेयरधारकों को अच्छा रिटर्न दिया है।

1998 में किडनैपिंग हुई और 26/11 मुंबई आतंकी हमले में बाल-बाल बचे थे गौतम अडाणी

आइए ग्रुप के कुछ अहम फैसलों पर नजर डालते हैं-

अडाणी एनर्जी स्क्रएनर्जी इंडिया खरीदने का प्लान कर चुकी है। रिन्यूएबल पावर का काम करने वाली एसबी एनर्जी, जापान के सॉफ्टबैंक ग्रुप और भारती ग्रुप का जॉइंट वेंचर है। अडाणी ने डील करीब 25,400 करोड़ रुपए (3.5 अरब डॉलर) में की है। भारत में रिन्यूएबल एनर्जी का अभी तक की ये सबसे बड़ा डील है। कंपनी 2025 तक रिन्यूएबल एनर्जी की क्षमता 8 गुना करना चाहती है।

केंद्र ने फरवरी 2019 में लखनऊ, अहमदाबाद, जयपुर, मंगलुरू, तिरुवनंतपुरम और गुवाहाटी एयरपोर्ट्स का निजीकरण किया। 2 साल से भी कम समय में अडाणी ने 7 हवाई अड्डों पर नियंत्रण हासिल किया। अडाणी भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर किंग के रूप में उभरे हैं। वे खदानों, बंदरगाहों और बिजली प्लांट से लेकर हवाई अड्डों, डेटा सेंटर और डिफेंस सेक्टर में विस्तार करने वाले हैं।

गैस बिजनेस से मिल रही अडाणी ग्रुप को एनर्जी

हुरुन इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर अनस रहमान जुनैद बताते हैं कि 2018 के बाद एनर्जी सेक्टर से जुड़ी अडाणी पावर और अडाणी गैस जैसी कंपनियों का परफॉर्मेंस बहुत अच्छा रहा है। इन्हीं बिजनेस से उन्होंने दो साल में तेजी से पैसा बनाया है। ये सेक्टर आगे भी ग्रुप को और मजबूत करेगा।

मार्केट एक्सपर्ट संदीप जैन कहते हैं मोदी सरकार की नई योजनाओं में अडाणी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्हीं सेगमेंट पर फोकस किया, जहां सरकार की नजर है। इस स्ट्रैटजी से काफी फायदा हुआ। अडाणी ने कमोडिटी ट्रेडर के रूप में शुरुआत की थी। आज वो बंदरगाह, एयरपोर्ट्स, एनर्जी, रिसोर्स, लॉजिस्टिक्स, एग्री बिजनेस, रियल एस्टेट, फाइनेंशियल सर्विस, गैस डिस्ट्रीब्यूशन, डिफेंस और अन्य कई क्षेत्र की कंपनियों के मालिक हैं।

गौतम अडाणी की संपत्ति 5.03 लाख करोड़ है, जबकि मुकेश अंबानी की दौलत 5.60 लाख करोड़ है। इस साल मुकेश अंबानी की नेटवर्थ सिर्फ 2,430 करोड़ रुपए बढ़ी, जबकि अडाणी ने 2.56 लाख करोड़ रुपए की बंपर कमाई की है। दोनों की संपत्ति के बीच महज 60 हजार करोड़ का गैप बचा है।

वारबर्ग ने इस महीने अडाणी पोर्ट्स और स्पेशल इकोनॉमिक जोन में 8,005 करोड़ रुपए का निवेश किया। फ्रांस की कंपनी टोटल ने अडाणी ग्रीन में कुल 1.81 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया।

पिछले 2 साल में अडाणी ग्रुप ने पोर्ट, पॉवर और एयरपोर्ट सेक्टर में 50 हजार करोड़ के इंफ्रास्ट्रक्चर एसेट खरीदे हैं। एनालिस्ट का मानना है कि अडाणी के शेयरों में ताजा उछाल इसी का नतीजा हैं। उदाहरण के लिए, अडाणी टोटल गैस का मार्केट कैप भारत की 5 बड़ी गैस कंपनियों (इंद्रप्रस्थ गैस, पेट्रोनेट एलएनजी, गुजरात गैस, महानगर गैस और गुजरात स्टेट पेट्रोनेट) के मार्केट कैप के करीब है। जबकि अडाणी टोटल गैस का नेट प्रॉफिट इन पांच कंपनियों के कुल नेट प्रॉफिट का सिर्फ 5त्न है। गौतम अडाणी का जन्म 24 जून 1962 को अहमदाबाद के गुजराती जैन परिवार में हुआ था। महज 16 साल की उम्र में बी-कॉम की पढ़ाई छोड़कर वो मुंबई चले गए। वजह थी परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति। मुंबई में उन्होंने डायमंड सॉर्ट महिंद्रा ब्रॉस में नौकरी कर ली। कुछ ही महीने बाद उन्होंने खुद का डायमंड ब्रोकरेज आउटफिट शुरू किया।

1981 में उनके भाई ने एक प्लास्टिक फैक्ट्री खोली थी जिसका काम संभालने के लिए वो गुजरात लौट आए। अडाणी ने 1988 में अडाणी एंटरप्राइजेज की शुरुआत की जो कमोडिटी इंपोर्ट-एक्सपोर्ट का काम करती थी।

पाक के नेता का फरमान

18 की उम्र में बच्चों की शादी नहीं कराई तो मां-बाप पर जुर्माना

नई दिल्ली। पाकिस्तान के एक नेता ने हाल ही में बिल पेश किया है जो 18 साल की उम्र के लोगों के लिए शादी को अनिवार्य कर देगा और इसका पालन नहीं करने वाले माता-पिता पर जुर्माना लगाया जाएगा. मुत्तहिदा मजलिस-ए-अमल पार्टी के नेता सईद अब्दुल रशीद ने हाल ही में सिंध प्रांतीय विधानसभा में इस कानून का प्रस्ताव रखा है।

पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, सिंध अनिवार्य विवाह अधिनियम 2021 नाम के इस विधेयक में उन माता-पिता के लिए 500 रुपयों के जुर्माने की सिफारिश की गई है जो अपने बच्चों के 18 साल की उम्र के होने के बावजूद उनकी शादी करने में नाकामयाब रहते हैं. माता-पिता को प्रस्तावित कानून के तहत जिले के डिप्टी कमिश्नर को इस देरी का उचित कारण भी देना होगा।

सईद अब्दुल रशीद ने इस कानून के बारे में करते हुए कहा कि 'मेरा मानना है कि 18 साल की उम्र के बाद अगर किसी युवा का शादी नहीं कराने का कोई कारण है तो माता-पिता को एक हलफनामा जमा करना चाहिए और ये भी बताना चाहिए कि उनके बच्चे कब शादी करने वाले हैं।' उन्होंने आगे

कहा कि पैगंबर मुहम्मद की इस्लामी शिक्षाओं के अनुसार, मुस्लिम पुरुषों और महिलाओं को 18 साल की उम्र के बाद शादी करने का अधिकार दिया गया है और इसे पूरा करना उनके अभिभावकों की जिम्मेदारी है. ये कानून सामाजिक बुराईयों, चाइल्ड रेप, अनैतिक गतिविधियों और अपराध में वृद्धि को नियंत्रित करने का काम भी करेगा।

रशीद ने ये भी दावा किया कि इस्लामी शिक्षाओं से दूरी के चलते ही पाकिस्तान के लोगों की शादी में बाधाएं आ रही हैं. उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और शादियों में होने वाले खर्च के चलते भी देश के लोगों को शादी करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रशीद अगस्त 2018 से ही सिंध विधानसभा के सदस्य रहे हैं. उन्होंने इससे पहले सरकार से दहेज प्रथा को खत्म करने की गुहार लगाई थी ताकि शादी की प्रक्रिया को आसान बनाया जा सके. रशीद को उम्मीद है कि सिंध विधानसभा के सभी सदस्य प्रांत के युवाओं की खुशियों के लिए इस कानून को मंजूरी देंगे। हालांकि प्रांतीय विधानसभा के अन्य सदस्यों ने समा टीवी से बातचीत में कहा है कि इस बिल में किसी कपल की आर्थिक स्थिति पर विचार नहीं किया गया है और इसी अव्यावहारिकता के चलते बिल के पारित होने की संभावना काफी कम है।

मां को थॉर: राग्नारोक का हेला समझ बैठे हैं वियान राज कुंद्रा

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा किया, जिसे उनके बेटे वियान राज कुंद्रा ने बनाया है। इस वीडियो में वियान ने अपनी मां को हेला के तौर पर दिखाया है, जो थॉर राग्नारोक में मौत की देवी है। फिल्म में इस किरदार को केट ब्लेंचेट ने निभाया है। वियान ने इस सुपरहीरो फिल्म के कई अलग-अलग दृश्यों में ब्लेंचेट की बॉडी में अपनी मां के चेहरे को फिट कर दिया है। क्लिप में वियान ने अपनी मां को घातक महामारी कोरोना यानि कि क्रिस हेम्सवर्थ के खिलाफ पेश किया है। शिल्पा इसके साथ लिखती हैं, वियान ने अपने इस वीडियो के साथ मेरे चेहरे पर मुस्कान ला दी है, जिसमें बताया गया है कि उसकी मम्मा ने कोविड-19 को कैसे संभाला..अभी भी इस उम्मीद के साथ पॉजिटिव हूं कि हम सभी के लिए एक कोविड मुक्त भविष्य हो। टाइका वाइटीटी द्वारा निर्देशित थॉर राग्नारोक साल 2017 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म सुपरहीरो थोर के बारे में है, जिसे अपने हथियार म्योलनियर के बिना अपने घर असगार्ड को हेला से बचाना था। शिल्पा की दो फिल्में आने वाली हैं। वह हंगामा 2 और निकम्मा में नजर आने वाली हैं।

संदीप और पिंकी फरार में डार्क सीक्वल की गुंजाइश: अर्जुन

अभिनेता अर्जुन कपूर का मानना है कि दिबाकर बनर्जी की फिल्म 'संदीप और पिंकी फरार' का क्लाइमेक्स एक ऐसे सीक्वल की संभावना तय करता है, जो डार्क हो सकता है। अर्जुन ने कहा, यदि आप फिल्म के क्लाइमेक्स को देखते हैं जिसे दिबाकर ने इतनी कुशलता से डिजाइन किया है, तो आप महसूस करेंगे कि एक सीक्वल की गुंजाइश है जो डार्क और रोमांचक हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, अब, यह निर्देशक और उनके प्रतिभाशाली दिमाग पर निर्भर करता है कि वह ऐसा होते हुए देखते हैं या नहीं। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि जब भी वह हरी झंडी देंगे, परी (परिणीति चोपड़ा) और मैं इसके लिए तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा, यह (फिल्म) मुझे वास्तव में उन जगहों पर ले गई, जहां जाने की मैंने कल्पना भी नहीं की थी।

श्वेता त्रिपाठी: मुझे राहत है कि माता-पिता को वैक्सीन लग गया

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपने माता-पिता को टीका लगवाने से राहत महसूस कर रही हैं, क्योंकि उनसे महीनों दूर रहने के बाद मिलने से आश्वासन मिला है।

कुछ महीने पहले कोविड से ठीक हुई श्वेता, बनारस में एस्केप लाइव और मनाली में ये काली काली आँखें की शूटिंग कर रही हैं। वह अपने करियर के कारण अब मुंबई में रहती है लेकिन वह मूल रूप से राजधानी की रहने वाली है और उसके माता-पिता अभी भी यहां रहते हैं। श्वेता का कहना है कि वह अगले कुछ हफ्तों में उनसे मिलने की उम्मीद कर रही हैं।

श्वेता ने कहा, वर्तमान में मेरी सबसे बड़ी राहत है कि मेरे माता-पिता दोनों को टीका लग गया है। मैं वास्तव में दिल्ली और मुंबई के अधिकारियों द्वारा वहां रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक सहज टीकाकरण अनुभव सुनिश्चित करने की कोशिशों की सराहना करती हूं। श्वेता वेब श्रृंखला मिजार्पुर के अलावा मसान, हरामखोर और गॉन केश जैसी फिल्मों में प्रदर्शन कर चुकी है।

आप बस चाहते हैं कि लोग आपको देखना पसंद करें: इलियाना

अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज का साउथ में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा है और वह अपने हिस्से की बॉलीवुड फिल्में भी करती रही हैं। वह कहती हैं कि सब कुछ लोगों पर निर्भर करता है और एक कलाकार के रूप में, हर कोई चाहता है कि दर्शक आपको देखना पसंद करें। वह बताती हैं कि लोकप्रियता एक ऐसी चीज है जो इस तथ्य को संतुलित करती है कि फिल्म उद्योग वास्तव में जीवित रहने के लिए एक बहुत ही क्रूर जगह हो सकती है। उन्होंने आईएएनएस से कहा, बेशक, यह (फिल्म उद्योग) क्रूर है, लेकिन यह लोगों पर निर्भर करता है। अगर वे (लोग) आपको पसंद करते हैं तो आपको बस यही चाहिए। आप चाहते हैं कि लोग आपको देखना पसंद करें। इलियाना को लगता है कि जिस पल किसी अभिनेता की सराहना नहीं की जाती है तो वे अपनी छाप खो देते हैं।

वह कहती हैं, यह मूल रूप से मेरे लिए समान है। मैं एक ऐसे अभिनेता की फिल्म नहीं देखना पसंद करूंगी, जिसे मैं देखना पसंद नहीं करती। जिस मिनट आपको पसंद नहीं किया जाता है, आप अपनी छाप खो देते हैं। उद्योग एक मायने में क्रूर है, लेकिन इसमें बहुत सारे फायदे भी हैं। वह बताती है, आपके पास केवल सभी अच्छी चीजें नहीं हो सकती हैं, कभी थोड़ा धोखा भी हो सकता है। मुझे लगता है कि यह चीजों को दिलचस्प बनाता है। यह आपको कड़ी मेहनत को लिए प्रेरित करता है। यह आपको बेहतर बनाने की कोशिश करता है।

इलियाना अगली बार अनफेयर एन लवली में दिखाई देंगी, जो गोरी त्वचा के प्रति भारत के जुनून पर एक कॉमिक टेक है। यह फिल्म हरियाणा की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें उनके साथ रणदीप हुड्डा भी होंगे।

संयुक्ता हेगड़े 'पंच बीट 2' से करेंगी डेब्यू

अभिनेत्री संयुक्ता हेगड़े वेब सीरीज 'पंच बीट 2' से डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री मीशा का किरदार निभाएंगी, जो एक एमएमए विशेषज्ञ है। वह एक युवा किशोरी है जो अपने वर्कआउट के समय से प्यार करती है।

अपने चरित्र के बारे में बात करते हुए, संयुक्ता कहती हैं, मेरा चरित्र, मीशा एक कसरत के प्रति कट्टर और स्वास्थ्य के प्रति सचेत है। वह हमेशा ऊर्जा से भरपूर रहती है और चुनौतियों का सामना करना पसंद करती है और यह कुछ ऐसा है जो मैं अपने वास्तविक जीवन में भी हूं। मैं मीशा से सबसे ज्यादा संबंधित हो सकती हूं। कसरत के लिए कट्टरपंथी भूमिका निभाना स्क्रीन पर मुश्किल हो सकता है क्योंकि बहुत से युवा स्क्रीन पर जो देखते हैं उसका पालन करने की कोशिश करते हैं। इसलिए आपको इस तरह की भूमिका निभाते समय एक सही संतुलन बनाए रखने की जरूरत है और सुनिश्चित करें कि आप ऐसा नहीं करते हैं। इसे ज्यादा मत करो। संयुक्ता का कहना है कि वह शो की शूटिंग के दौरान कलाकारों के साथ सहज थीं। यह मेरा डिजिटल डेब्यू है, इसलिए मैं यह देखने के लिए काफी उत्सुक और उत्साहित हूं कि मेरे लिए क्या स्टोर है। शो की शूटिंग के दौरान मेरे पास एक अच्छा समय था।

Chota Parda

सुहाना ने बर्थडे बॉय अब्राम के साथ शेयर किया वीडियो

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान के बेटे अबराम खान ने गुरुवार को अपना आठवां जन्मदिन मनाया। अपने भाई के लिए इस पल को और खास बनाने के लिए बड़ी बहन सुहाना ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की हैं। सुहाना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो क्लिप भी साझा किया है, जिसमें भाई-बहन साथ में पूल में नजर आ रहे हैं। इसमें नन्हें अबराम अपनी बड़ी दीदी के साथ पोज देने के लिए घुटनों के बल उनकी ओर आते दिखाई दे रहे हैं। दोनों कैमरे की ओर जब देखते हैं, तो सुहाना भाई को उन्हें किस करने के लिए कहती हैं। अबराम भी अपनी बहन को पुचकारने से नहीं कतराते हैं। अपने इस पोस्ट के कैप्शन में सुहाना लिखती हैं, बर्थडे बॉय। शाहरुख खान और गौरी खान के बेटे अबराम का जन्म मई, 2013 में सरोगेसी के माध्यम से हुआ था। उनकी बड़ी बहन सुहाना और बड़े भाई आर्यन फिलहाल अमेरिका में रहकर अपनी पढ़ाई कर रहे हैं।

जरीन खान की मां की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में दोबारा हुईं एडमिट

अभिनेत्री जरीन खान ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर ईद के साथ-साथ 14 मई को उन्हें जन्मदिन की बधाई देने के लिए प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया है। अभिनेत्री ने इसका देर से जवाब देने के लिए लोगों से माफी भी मांगी। इसका कारण उन्होंने अपनी मां की सेहत को बताया, जिसमें वह बीते दिनों से उलझी हुई हैं। जरीन लिखती हैं, मैं जानती हूं कि मैं थोड़ी लेट हूं, लेकिन मेरे जन्मदिन और ईद की बधाई देने के लिए आप सभी को शुक्रिया। मैं खेद है कि मैं आप सभी की शुभकामनाओं पर व्यक्तिगत रू पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकी। मैं पिछले डेढ़ महीने से अपनी मां की सेहत को लेकर चिंतित हूं और अभी उन्हें एक बार फिर से अस्पताल में भर्ती करना पड़ा है। मैं आप सभी से अपील करती हूं कि आप लोग उनके लिए दुआएं मांगते रहिए ताकि वह जल्दी ठीक हो जाएं। जरीन की फिल्म हम भी अकेले तुम भी अकेले को हाल ही में डिजिटली रिलीज किया गया है। इस फिल्म को हरीश व्यास ने निर्देशित किया है, जो रोड ट्रिप पर मिले एक समलैंगिक लड़के और एक लेस्बियन लड़की की कहानी है। फिल्म में अंशुमन झा भी हैं।

अक्षरा हासन का खुलासा, लॉकडाउन में इन कामों में रही व्यस्त

अभिनेत्री अक्षरा हासन का कहना है कि अगर लॉकडाउन में उन्होंने कोई खास काम किया है, तो वह है जैम बनाना। दिग्गज अभिनेता कमल हासन और सारिका की बेटी अक्षरा कहती हैं, कुछ खास करने को नहीं था। मुझे जैम बनाना पसंद है और मैंने जी भरकर यह काम किया है। मैं इसके साथ ही कुछ और भी काम कर रही थी और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों के सामने कभी इन्हें पेश करूंगी। हम सभी को जैम पसंद है और अभी के लिए फिलहाल इतना शेयर कर सकती हूं। अक्षरा ने स्वास्थ्य सेवा कर्मियों का आभार व्यक्त किया है, जो कोरोना की दूसरी महामारी के दौरान अथक परिश्रम कर रहे हैं। वह आगे कहती हैं, मैं पीड़ितों के प्रति संवदेना व्यक्त करती हूं। सभी स्वास्थ्य सेवा कर्मियों और फ्रंटलाइन वर्कर्स को दिल से सलाम। ये हम सभी के लिए अथक परिश्रम कर रहे हैं। जब तक हम मुकाम को हासिल नहीं कर लेते हैं, तब तक सभी नियमों का पालन करना और टीका लगवाना जरूरी है।

लॉकडाउन हुआ, कोरोना भी भागा, अब दो वक्त की रोटी का संकट

जय हिन्द जनाब टीम

नोएडा। सरकार की ओर से गेहूं और चावल कुछ किलो मुफ्त दिए जा रहे हैं। इससे उन लोगों का तो भला हो सकता है। जो कोरोना काल से पहले भी कुछ खास कमाते नहीं थे, लेकिन उन लोगों पर संकट बरकरार है। जो दुकाने चलाकर परिवार को पाल पोस रहे थे। नोएडा में सैकड़ों दुकानदार हैं जिन पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

जय हिंद जनाब ने अलग-अलग क्षेत्रों के दुकानदारों से बातचीत की उनसे पूछा कि लॉकडाउन का उन पर क्या असर पड़ा है। दुकानदारों ने एक सुर में कहा कि लॉकडाउन हुआ कोरोना भाग गया, लेकिन अब हम दो वक्त की रोटी कैसे जुटाई जाए यह संकट बरकरार है। क्योंकि दुकानें बंद होने से काफी नुकसान हुआ है। कई

दुकानदारों ने कहा कि उन्हें बिजली का बिल और किराया तो देना ही पड़ेगा। बिक्री हुई नहीं तो ऐसे में जो भी उनके पास जुड़े हुए पैसे हैं, उससे ही वह घर खर्च चलाने के साथ-साथ दुकान खर्च भी चला रहे हैं। दुकानदारों ने कहा कि कोरोना महामारी में लॉकडाउन जरूरी है, लेकिन सरकार को उनकी दिक्कतें भी देखनी चाहिए। इसलिए कोई ऐसा पैकेज आए, जिससे उन्हें कुछ राहत मिल सके। ज्यादातर लोग कोरोना महामारी में लॉकडाउन की वजह से कई साल पीछे चले गए हैं। क्योंकि वह नोएडा में कमाने के लिए आए थे, जिस कारण उन्होंने अपना घर बार भी छोड़ा मगर अब परिणाम अब शून्य लग रहे हैं। काफी दुकानदार ऐसे है जो काम छोड़कर अपने गांव जाकर खेती करना चाहते है और यहां से पलायन भी कर चुके है।

कोरोना महामारी के दौरान व्यवसाय बंद होने से हमें बहुत बड़ा नुकसान हुआ है, इससे हमारा माल गोदाम में बंद पड़ा है फैक्ट्री वाले पैसे का दबाव बना रहे हैं। मगर बाजार से पैसा बिल्कुल भी नहीं आ रहा है। इस परिस्थिति में दुकानदार करे तो क्या करें। सरकार की गलत नीतियों के कारण व्यापारी हताश हो गया है। क्योंकि सरकार ने औद्योगिक क्षेत्रों को खुला रखा व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद करवा दिए इस वजह से व्यापारी बहुत अधिक परेशान है।

विकास जैन, प्रदेश अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल

लॉकडाउन के कारण टाइल उद्योग पर बहुत बुरी मार पड़ी है। सभी साइट पर काम चल रहा है। मगर व्यापार बंद होने के कारण हम टाइल वहां नहीं पहुंचा पा रहे हैं। आगे आने वाले समय में व्यवसाय का और बुरा हाल हो जाएगा।

नवनीत गुप्ता
टाइल व्यापारी
साइट 4 ग्रेटर नोएडा

इस महामारी के दौरान सबसे बड़ा नुकसान कपड़े के व्यापारियों को हुआ है। क्योंकि दुकान में बहुत समय से बंद होने के कारण कपड़ों में फफूंदी लग गई है। वह किसी भी कीमत पर नहीं लिख पाएंगे। सरकार जल्द से जल्द दुकानें खुलवाएं जिससे हम अपना कार्य कर सकें।

नरेश बंसल
श्री श्याम टैक्सटाइल
सेक्टर 27 इंदिरा मार्केट, नोएडा

लकड़ी के व्यवसाई प्रवीण गर्ग ने बताया कि इस समय में दुकानों का किराया निकालना भी

मुश्किल हो रहा है मगर दुकान के मालिक 1 मिनट के लिए भी किराया छोड़ने को तैयार नहीं है ऊपर से बच्चों की स्कूल की फीस और बिजली विभाग व्यापारियों के पीछे पड़ा हुआ है।

प्रवीण गर्ग,
सालासर टिंबर
सेक्टर 51 नोएडा

किराना के व्यापारी परम सिंह ने बताया कि हालांकि लॉकडाउन में हमारी दुकानें खुली हैं परंतु इस लोक डाउन के दौरान खाद्य पदार्थ और खाद्य तेलों में बहुत अधिक तेजी आ गई है जिससे व्यापार करना बहुत ही मुश्किल हो गया।

परम चौहान
सेक्टर 52 नोएडा

अब शवों को निःशुल्क ले जाएं अंतिम निवास तक

डिक्सन टेक्नोलॉजिज कंपनी ने प्राधिकरण को दिए दो शव वाहन

जय हिन्द संवाद

नोएडा। कोरोना काल में शवों को अंतिम निवास पहुंचाने के लिए एक-दो हजार नहीं बल्कि 50-50 हजार रुपये लिए जा रहे थे। इसे देखते हुए मैसर्स डिक्सन टेक्नोलॉजिज कंपनी ने दो शव वाहन नोएडा प्राधिकरण को दिए हैं। अब गरीबों के शवों को अंतिम निवास तक निःशुल्क ले जाया सकेगा।

शव वाहन के लिए लोग 0120-2487444 नबंर पर संपर्क कर सकते हैं। पिछले दिनों एंबुलेंस वालों ने शव ले जाने के लिए आम तौर पर 10-20 हजार रुपए तक लिए थे। सेक्टर-94ए स्थित अंतिम निवास में कोरोना संक्रमित मरीजों का दाह संस्कार किया जा रहा है। प्रदेश सरकार के निर्देश पर दो सप्ताह से यहां निःशुल्क दाह संस्कार किया जा रहा है। कंपनी ने सीईओ रितु माहेश्वरी को वाहन सौंपे।

सोमवार से शारदा अस्पताल में शुरू होगी सामान्य ओपीडी

जय हिन्द संवाद

नोएडा। कोरोना अब धीरे-धीरे कम होने लगा है। कोरोना के अलावा अन्य बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को बचाने के लिए शारदा अस्पताल में सोमवार से ओपीडी शुरू की जाएगी। सामान्य ओपीडी निशुल्क होगी। जांच में भी 50 फीसदी छूट दी जाएगी।

अस्पताल के डॉ. अजीत कुमार ने बताया कि महामारी की दूसरी लहर आने के बाद सुरक्षा कारणों से ओपीडी की सेवाएं स्थगित कर दी गई थीं। अब उन्हें फिर शुरू किया जा रहा है। रोजाना उनकी हेल्पलाइन नंबर 0120- 2333999 पर 500 से ज्यादा फोन आ रहे है। इसमें आंख, मेडिसीन, सर्जरी और पल्मोनरी मेडिसीन से संबंधित सलाह मांगी जा रही है। अस्पताल में सर्जरी की सुविधा मिलेगी, लेकिन इसे सीमित रखा गया है। ज्यादा जरूरी मामले में ही सर्जरी की जाएगी। उन्होंने बताया कि कोविड से जंग जीतने वाले भी अपना रूटीन चेकअप कराने आ सकते हैं। देखने में आया है कि मौजूदा समय कोरोना से ठीक होने के बाद लोगों में दूसरी बीमारियां हो रही हैं। इसमें ब्लैक फंगस, व्हाइट फंगस, त्वचा, दिल संबंधी व अन्य बीमारी शामिल हैं। अब उनका चेकअप कर पता लगाया जा सकेगा कि वह किसी अन्य बीमारी से तो ग्रसित नहीं हैं।

अभियान चलाकर जिले में 14 हजार लोगों को लगाई वैक्सीन

जय हिन्द संवाद

नोएडा। जिले में चल रहे वैक्सीनेशन अभियान में बीते दिन एक दिन में अभी तक के सबसे ज्यादा 14 हजार 180 लोगों को टीके लगाए गए। यह वैक्सीनेशन 83 केंद्रों पर हुआ है। इनमें सबसे अधिक युवाओं की संख्या रही।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. नीरज त्यागी ने बताया कि 18 से 44 वर्ष के बीच 11,476 लोगों को कोरोना से बचाव के लिए टीके की पहली डोज दी गई। 45 से 59 वर्ष के बीच 1,921 ने पहली और 228 ने दूसरी डोज ली। 60 वर्ष से अधिक उम्र के 490 बुजुर्गों ने पहली व 43 ने दूसरी डोज लेकर खुद को सुरक्षित कर लिया। चार स्वास्थ्यकर्मियों व 18 फ्रंट लाइन कर्मचारियों ने विभिन्न केंद्र पर पहुंचकर दूसरी डोज लगवाई। वहीं इंदिरा गांधी कला केन्द्र में प्रतिदिन पत्रकार भी वैक्सीन लगवा रहे है।

यूपी में अनलॉक करने की मौत

नोएडा। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि प्रदेश के व्यापारी इस समय भुखमरी के कगार पर हैं, और यदि अब भी बाजार नहीं खुले तो बहुत बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी। जैन ने ट्विटर के माध्यम से बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मांग की गई कि सभी दुकानें खोली जाएं। यदि अभी भी बाजार नहीं खुले तो व्यापार और व्यापारी दोनों बर्बाद हो जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि बाजार चाहे कुछ समय के लिए प्रतिदिन खोले जाएं या सम विषम की प्रक्रिया लागू की जाए परंतु बाजार प्रतिदिन खुलने चाहिए। प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता ने कहा कि व्यापारी इस समय बिल्कुल त्रस्त है, दुकानों में पड़ा हुआ माल खराब हो जाएगा जिससे बहुत बड़ा नुकसान होना स्वभाविक है।

देखकर रह जाएंगे हैरान यह वेस्ट प्लास्टिक का कमाल

जय हिन्द संवाद

नोएडा। लॉकडाउन में घर पर रह कर लोग तरह-तरह के आईडिया इजात कर रहे है। इस क्रम सेक्टर 27 निवासी शिवानी गर्ग ने घर में पड़े बेकार रिफाइंड, सैनिटाइजर आदि की कैन को डेकोरेट करके गमले का रूप दे दिए है। जिससे फूल आदि के पौधे लगाए। सेक्टर के निवासियों को प्रेरित करने के उद्देश्य एवं पर्यावरण को स्वच्छ रखने के साथ घरों की शोभा बड़ा सकते है। अगर हर घर में इस प्रकार का कार्य किया जाए तो पर्यावरण के साथ नोएडा को सुंदर बनाया जा सकता है।

भूखों को लगातार राशन पहुंचा रहे है सपा नेता

जय हिन्द संवाद

नोएडा। एक वक्त था जब लोग गरीबों की मदद के लिए आगे आ रहे थे। मगर अब वक्त बदल गया है। उन लोगों के पास भी पर्याप्त संशाधन नहीं बचे है। जो पिछले लॉकडाउन में भूखों को खाना खिला रहे थे। लेकिन सपा नेता इस महामारी में भूखों तक राशन पहुंचा रहे है।

सपा के निवर्तमान प्रवक्ता कुँवर बिलाल बर्नी ने बताया कि सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के निर्देश पर कोई भूखा ना सोए की मुहिम चलाकर लगातार पिछले 15 दिनों से समाजवादी लोहिया वाहिनी के पूर्व महानगर अध्यक्ष साहिल खान और उनकी टीम लगातार लोगों तक राशन पहुंचाने का काम कर रही है। इसी कड़ी में कल उन्होंने सदरपुर, छालेरा और सेक्टर 37 में लगभग 60 जरूरतमंद परिवारों को राशन वितरण किया, लॉकडाउन के कारण बहुत से श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर काम न मिलने से परेशान हैं और उनके सामने रोजी रोटी का संकट आ खड़ा हुआ है। हालांकि कांग्रेस भी गरीबों तक खाना पहुंचाने में जुटी है। इस मौके पर युवा नेता मुमताज आलम, तनवीर हुसैन, हिम्मत सिंह जादौन, इमरान राणा, रितेश बुटोला, सत्तार सैफी, परवेज आलम मौजूद रहे।

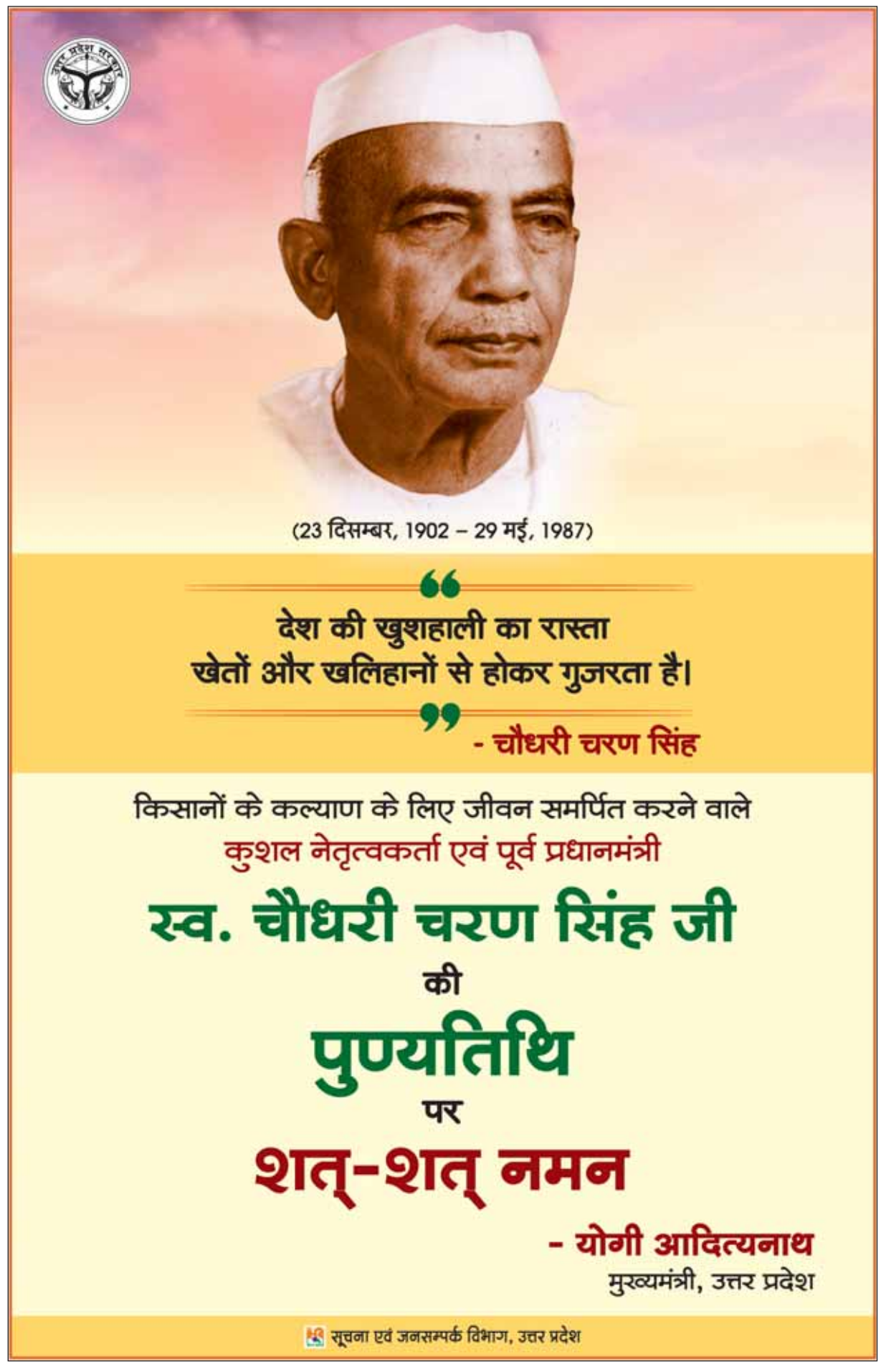

जे. एच. जे. कम्यूनिकेशन प्रा.लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **मोहम्मद इमरान** द्वारा सी-65, सेक्टर-9 नोएडा, से प्रकाशित व बीएफएल इंफोटेक लि., सी-9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। संपादक **मोहम्मद आजाद** (RNI No. : UPHIN/05/14445), **(सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गौतमबुद्ध नगर में होगा)** फोन नं. 9311220786. फैक्स : 0120:4267616. Email: jaihindjanab00@gmail.com